संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 241
पृष्ठ 8
मंगलवार
21 मई 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सनस्क्रीन से जुड़े 5 मिथक...
विचार- सरकार तो आपकी ही, लेकिन ...
खेल- हैदराबाद के लिए कितनी खतरनाक...

स्थापना दिवस पर सात साहित्यकार शहर समता दीप साहित्य सम्मान से हुए अलंकृत दूसरे सत्र में हुआ काव्य पाठ

प्रयागराज। पत्र और पत्रकारिता की दिशा में नए कलेवर और नए स्वरूप के साथ कदम दर कदम चलता हुआ शहर समता समाचार पत्र आज 24वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

इस अवसर पर श्स्थापना दिवस विशेषांक का लोकार्पण, सम्मान समारोह एवं कवि–सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता श्री प्रकाश मिश्र तथा मुख्य अतिथि डॉ० कल्पना वर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ० राम जी मिश्र एवं प्रो० सविता श्रीवास्तव रहे।समारोह का संचालन प्रो० रवि मिश्र ने तथा संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया। माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलन के बाद माँ वाणी की वंदना रचना सक्सेना और मिली श्रीवास्तव ने किया।

इसके बाद साहित्यकार एवं कवियत्री सीमा वर्णिका, कानपुर, स्मृति मिश्र, जगदलपुर, डॉ० आकाँक्षा पाल, प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा, शोभा त्रिपाठी, श्रीमति मेघना पाण्डेय एवं श्रद्धा कश्यप को अंग वस्त्रम, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति–पत्र श्शहर समता दीप साहित्यश सम्मान सम्मानित किया गया।

रामजी मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारिता जन कल्याण के लिए होती है। उन्होंने इसे सत्यनारायण की कथा से जोड़ा। अंग्रेजों के तोप के मुकाबले अखबार आए। आजादी के बाद देश के विकास के लिए पत्रकारिता हुई।

डॉक्टर कल्पना वर्मा ने कहा कि मंच में पहली कविता मैंने शहर समता के मंच में पढ़ी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि तेईस साल के लंबे काल तक शहर समता से सबको जोड़ने के लिए बधाई। सभी के जीवन में बायोग्राफी की तरह एक रचना होती है। इस सत्र का संचालन प्रोफेसर रवि मिश्र ने किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में काव्य पाठ का दौर चला इसमें काव्य पाठ करने वालों में डाक्टर प्रदीप चित्रांशी, केशव प्रकाश सक्सेना, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, मंजू प्रकाश, संजय सक्सेना, शिव प्रताप श्रीवास्तव, देवी प्रसाद पाण्डेय, डाक्टर आकांक्षा पाल, प्रोफेसर रवि मिश्र, डाक्टर विमला व्यास, कविता उपाध्याय, शाहीन खुशबू, प्रभंजन त्रिपाठी, सीमा वर्णिका, निखिलेश मालवीय, ऋजु पाण्डेय आदि रहे। इसका संचालन रचना सक्सेना ने किया। इस अवसर पर अरविंद पाण्डेय, लोकरंजन प्रकाशन के प्रमुख रंजन पांडेय शामिल रही है।

औरंगजेब की आत्मा को जीवित नहीं होने देगी बीजेपी : योगी

● बोले- जब भी दो लड़कों की जोड़ी मिलती है तो कोई न कोई अनर्थ करने के लिए मिलती है

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि इंडिया गठबंधन एक चेतावनी संकेत है और पुष्टि करता है कि सत्तारूढ़ दल मुगल सम्राट औरंगजेब की आत्मा को जीवित नहीं होने देगा। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतरे भाजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह के समर्थन में जौनपुर के शाहगंज के पट्टी नरेंद्रपुर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, "रामलला ने तीसरी बार अपने भक्त (पीएम मोदी) को सत्ता सौंपने का फैसला किया है।" आदित्यनाथ ने कहा कि इस चुनाव में दो धाराएं स्पष्ट हो चुकी हैं, एक रामभक्तों, राष्ट्र भक्तों, विकास की है तो दूसरी राम द्रोहियों, भारत विरोधियों, गरीब कल्याण विरोधियों की है जो आतंकवाद को पनपने देते हैं और देश के साथ गद्दारी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब भी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) का गठबंधन होता है, जब भी दो लड़कों की जोड़ी मिलती है तो कोई न कोई अनर्थ करने के लिए मिलती है।'' नेशनल इंटरमीडिएट कॉलेज पट्टी नरेंद्रपुर में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा विधायक और सांसद जिले में जरूरी विकास लाएंगे और दुनिया जौनपुर आएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार राज्य से माफिया का खात्मा करके रहेगी। यूपी के सीएम ने पिछड़ों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के आरक्षण अधिकारों की रक्षा करने की कसम खाई। साथ ही उन्होंने चल रहे विकासात्मक पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने वाराणसी में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल के उद्घाटन सहित यूपी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जौनपुर में मेडिकल कॉलेज और शाहगंज में एथेनॉल संयंत्र की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया। योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''इस पूरे प्रयागराज क्षेत्र में जिन लोगों ने वसूली के केंद्र खोले थे, गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रहे थे, बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए जो खतरा बने हुए थे, वे अब मिट्टी में मिल गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''इससे प्रदेश ही नहीं पूरा देश खुश है लेकिन सपा के यहां मातम है। उनको न आपकी और न प्रदेश की चिंता नहीं थी। उनको अपनी राजनीति की चिंता थी। सपा और कांग्रेस के लोग देश की कीमत पर राजनीति करना चाहते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले गरीबों की कल्याणकारी योजनाएं ये माफिया डकार जाते थे और गरीब को राशन नहीं मिलता था। गरीब का मकान सपा के गुंडे हड़प लेते थे।'' मुख्यमंत्री ने केंद्र की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन, 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, 50 करोड़ लोगों के जनधन खाते और 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, 12 करोड़ गरीबों के घरों में शौचालय पहुंच गया है और चार करोड़ गरीबों के मकान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी कहा है कि 70 वर्ष से ऊपर का जो भी बुजुर्ग होगा, उसे हर वर्ष पांच लाख रुपये तक का उपचार निःशुल्क कराने के लिए कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

पीएम मोदी ने किया वादा

जब्त की गई रिश्वत की रकम गरीबों को है लौटाना

घाटशिला, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि झारखंड में जब्त की गई रिश्वत की रकम उसके असली मालिकों को लौटा दी जाएगी और इस प्रक्रिया पर कानूनी सलाह ली जाएगी। घाटशिला के मऊभंडार में एक चुनावी रैली में उन्होंने कहा, ''गलत कमाई का पैसा सरकारी खजाने में नहीं रखा जाएगा। इसे उन गरीबों को वापस दिया जाएगा जिन्हें कांग्रेस–झामुमो–राजद पदाधिकारियों ने लूटा है।'' मोदी ने राज्य में विकास की कमी के लिए इंडिया ब्लॉक पार्टियों की आलोचना की और कहा कि भ्रष्ट पार्टियों को नहीं चुना जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अपने 60 वर्षों के कार्यकाल के दौरान गरीबोंऔर हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए काम करने में विफल रही। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता ऐसी है कि उनके पदाधिकारी देश को अपनी निजी संपत्ति मानते हैं। पीएम ने बिना नाम लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर माओवादी रणनीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा, श्नक्सलियों की तरह जो निवेशकों को रंगदारी दिए बिना काम नहीं करने देते, कांग्रेस के शहजादा भी वही कर रहे हैं... उनकी भाषा कॉरपोरेट विरोधी है।' जो लोग मुझसे मिलने आते हैं, वे कहते हैं कि वे कांग्रेस शासित राज्यों में निवेश नहीं करेंगे क्योंकि पार्टी की विचारधारा कॉर्पोरेट विरोधी है।'' पीएम ने सवाल किया कि क्या महाराष्ट्र में इंडिया ब्लॉक पार्टियां कॉरपोरेट्स और निवेशकों पर कांग्रेस सांसद के विचारों से सहमत हैं। मोदी ने झामुमो की भी आलोचना की, यह देखते हुए कि एक पूर्व सीएम (हेमंत सोरेन) भूमि कब्जा करने के आरोप में जेल में बंद हैं, जिसमें सैन्य भूमि को जब्त करने का प्रयास भी शामिल है। उन्होंने राजद पदाधिकारियों पर रोजगार के बदले नौकरी चाहने वालों से जमीन लेने का भी आरोप लगाया और उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया।

गुजरात पुलिस का बड़ा एक्शन, इस्लामिक स्टेट के 4 आतंकवादी गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात पुलिस ने सोमवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर इस्लामिक स्टेट के चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। चारों आतंकी श्रीलंकाई नागरिक हैं। वे पहले चेन्नई पहुंचे और बाद में अहमदाबाद पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि वे अहमदाबाद हवाईअड्डे पर पाकिस्तानी आकाओं के संदेश का इंतजार कर रहे थे। इससे पहले कि आतंकियों को हथियार मिल पाते, गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। गुजरात के डीजीपी शाम 4 बजे गिरफ्तारी को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इससे पहले अप्रैल में गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गुजरात तट से 14 पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया था और उनके कब्जे से 602 करोड़ रुपये की 86 किलोग्राम प्रतिबंधित दवाएं जब्त की थीं। इससे पहले, एनसीबी ने गुजरात और राजस्थान में प्रतिबंधित दवा मेफेड्रोन, जिसे 'म्याऊं म्याऊं' के नाम से जाना जाता है, का निर्माण करने वाली तीन प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया था और मामले के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

मतदान के दिन राहुल गांधी ने रायबरेली में डाला डेरा, हनुमान मंदिर में की पूजा, मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

रायबरेली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज रायबरेली पहुंचे हैं जहां से वह चुनाव लड़ रहे हैं और पीपलेश्वर हनुमान मंदिर में पूजा–अर्चना की। गांधी केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं जहां से वह मौजूदा सांसद हैं। इससे पहले दिन में, पूर्व कांग्रेस प्रमुख राष्ट्रीय राजधानी से लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचे। वह सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे। रायबरेली में आज अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए मतदान हो रहा है। राहुल गांधी ने कुछ मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया और वोट डाल चुके लोगों से मुलाकात की।

मेट्रो स्टेशनों पर लिखी मिली धमकी, आप का आरोप

सीएम केजरीवाल पर हमले की हो रही तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कथित तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के राजीव चौक और पटेल नगर मेट्रो स्टेशनों के अंदर अरविंद केजरीवाल को धमकी देने वाली भित्तिचित्र सामने आए, जिससे आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा मुख्यमंत्री पर हमले की योजना बना रहे थे। आप सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल पर हमले की कथित साजिश प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अंदर रची गई थी। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद से बीजेपी बौखलाई हुई है। आप नेता ने कहा कि बीजेपी अब अरविंद केजरीवाल पर जानलेवा हमला करने की साजिश रच रही है। यह साजिश सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से संचालित हो रही है। राजीव चौक और पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर केजरीवाल जी पर हमले की धमकी लिखी गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेट्रो ट्रेनों के अंदर धमकी भरे संदेश भी लिखे गए थे। आप नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा दिल्ली के लोकसभा चुनाव में अपनी भावी हार से बौखला गई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाने के लिए स्वाति मालीवाल का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है. उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने तीन मेट्रो स्टेशनों – राजीव चौक, पटेल चौक और पटेल नगर – की दीवारों पर भित्तिचित्र लिखे हैं। उन्होंने कहा कि भित्तिचित्र की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी अपलोड की गई हैं। ये स्टेशन सीसीटीवी के अधीन हैं और सुरक्षाकर्मी चौबीसों घंटे तैनात रहते हैं। पुलिस इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है? साइबर सेल कहाँ है? इससे पता चलता है कि यह सब भाजपा द्वारा करवाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से खारिज हुई 3 नए क्रिमिनल कानूनों के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (20 मई) को भारतीय न्याय संहिता 2023 सहित तीन नए आपराधिक कानूनों की व्यवहार्यता की जांच, आकलन, पहचान करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। तीन नए आपराधिक कानून पिछले साल 21 दिसंबर को संसद में पारित किए गए थे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दी थी। तीन कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 1 जुलाई, 2024 से लागू होगा। ये कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं की परिभाषा देकर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है।

खड़गे, राहुल ने मतदाताओं से कांग्रेस को वोट देने की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के नेता एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मतदाताओं से खासकर युवाओं से आग्रह किया कि वे कांग्रेस को वोट दें क्योंकि इससे श्तानाशाही, बेरोजगारी और अन्याय खत्म होगाश और पार्टी के पांच ऐतिहासिक गारंटी के साथ उनकी किस्मत बदलेगी। श्री खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर हाथ के निशान पर बटन दबाने से पहले

हमें याद रखना चाहिए कि हमें बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ वोट करना है, न कि चंद पूंजीपतियों को और अमीर बनाना है। अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मतदान करें, न कि उन लोगों के लिए जो हमारे अधिकार छीनते हैं।" उन्होंने कहा, "न्याय के लिए वोट करें, अन्याय और उत्पीड़न के लिए नहीं और लोकतंत्र के लिए वोट करें, तानाशाही के लिए नहीं।" राज्यसभा सांसद ने पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से कांग्रेस के 'युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और भागीदारी न्याय' के एजेंडे पर वोट करने की अपील की। श्री खड़गे ने कहा, "जब आप ईवीएम का बटन दबाएंगे तो तानाशाही सरकार की पहले से ही अस्थिर कुर्सी को एक और झटका लगेगा और लोकतंत्र को और ताकत मिलेगी। चार चरणों ने पहले ही दिखा दिया है कि तानाशाह का जाना तय है।"

प्रयागराज में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष को धमकी

प्रयागराज। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मिश्र उर्फ रज्जू भइया को जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। रविवार को फोन पर मिली धमकी के बाद उन्होंने पुलिस अफसरों से शिकायत की।

अज्ञात नंबर से धमकी भरी कॉल आने के बाद अध्यक्ष ने शिकायत पुलिस कमिश्नर से की है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

अंजान नंबर से कॉल, कहा सारी अध्यक्षी उतार दूंगा।

जिला अधिवक्ता संघ क अध्यक्ष को एक अंजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि बहुत अध्यक्ष बनते फिरते रहे हो। सारी अध्यक्षी उतार दूंगा। इतना कहने के बाद धमकी देने वाले व्यक्ति ने फोन काट दिया। इसके बाद अध्यक्ष ने तत्काल फोन कर मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की। कमिनश्र ने संबंधित थाने और आईटी सेल से जांच शुरू करा दी। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर धमकी देने वाले शख्स का पता लगाने में जुटी है। असल में इन दिनों अपराध में शामिल वकीलों पर कार्रवाई के कई मामले सामने आए। पिछले दिनों दिनों जिला कचहरी में अदालत कक्ष में घुसकर वादकारी को कुछ अधिवक्ताओं ने पीटा गया था। इस पर जिला अधिवक्ता संघ ने आरोपी अधिवक्ताओं की संघ की सदस्तया खत्म कर दी थी। हाईकोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए प्रदेश की किसी भी अदालत में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इसी मामले को इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रयागराज में 22 को जनसभा करेंगे असदुद्दीन ओवैसी

प्रयागराज। प्रयागराज में 25 मई को मतदान होना है, ऐसे में सभी पार्टियों के राष्ट्रीय नेता प्रयागराज में जनसभाएं कर रहे हैं। अब 22 मई को एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी जनसभा करेंगे। उनके साथ अपना दल कमेरावादी की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल भी रहेंगी। यह जनसभा फूलपुर लोकसभा से पीडीएम पिछड़ा दलित मुसलमान न्याय मोर्चा प्रत्याशी महिमा पटेल के समर्थन में होगी।

ओवैसी की जनसभा बुधवार शाम चार बजे गंगापार के मऊआइमा इलाके में होगी। एमआईएएस नेताओं ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। जनसभा को एमिम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, पूर्वांचल अध्यक्ष इसरार अहमद, अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल, राष्ट्र उदय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूराम पाल और प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद बिंद भी संबोधित करेंगे। एमिम के पूर्व प्रवक्ता अफसर महमूद ने बताया कि मऊआइमा के साथ ही ओवैसी की जनसभा प्रतापगढ़ में भी रखी गई है। इसके लिए प्रतापगढ़ जिला प्रशासन से अनुमति मांगी गई है।

संगम नगरी में चुनावी प्रचार को धार देंगे पीएम मोदी, रैली में पांच लाख लोग हो सकते हैं शामिल

प्रयागराज। चुनाव प्रचार को धार देने के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगम नगरी में रहेंगे। वह फूलपुर और इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन जुटाएंगे। पार्टी ने रैली के लिए 19 मई की रात बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। दिग्विजय शाक्य को संयोजक, सह प्रभारी सुशील त्रिपाठी को बनाया गया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि संगठन ने पांच लाख लोगों को सभा में शामिल कराने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए सभी विधानसभाओं में 200 बसें लगाई गई हैं। 200 ई रिक्शा भी लगाए गए हैं।युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के जिम्मेदारी दी गई है कि वे बाइक से माहौल बनाते हुए रैली की शक्ल में सभास्थल तक पहुंचे। इस आयोजन के लिए मंत्री सुरेश खन्ना, अमरपाल मौर्य भी शहर में आ चुके हैं। उस दिन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहेंगे।

प्रयागराज में राहुल ने लिया अखिलेश का इंटरव्यू

हंगामे के बीच पूछा– यूपी में क्योटो क्या? जवाब– काशी वालों को दिखाया गया झूठा सपना

प्रयागराज। प्रयागराज में अखिलेश यादव और राहुल गांधी एक साथ पहुंचे तो भीड़ बेकाबू हो गई। दोनों नेता अपना भाषण तक नहीं दे सके। इस बीच मंच पर बैठे–बैठे राहुल गांधी ने अखिलेश यादव का इंटरव्यू लिया। राहुल ने कहा– यहां पर हमारा माइक खराब हो गया। पब्लिक मीटिंग कर पाना मुश्किल है। हमने सोचा हम दोनों यहां बैठकर यूपी के बारे में बात कर लेते हैं। आप अपनी बात हमें बताइए, हम अपनी बात आपको बताते हैं। अखिलेश ने कहा– मैं समझता हूं कि हम दोनों की बात रिकॉर्ड होगी तो लोग और बेहतर समझ सकेंगे। अखिलेश ने कहा– 80 में से 79 सीटें हम लोग जीत रहे हैं। केवल एक सीट क्योटो है, वहां हम और आप लड़ाई में हैं।

राहुल गांधीः क्योटो नाम कहां से पड़ा?

अखिलेशः हमारे जो प्रधान सांसद है, उन्होंने काशी के लोगों को झूठा सपना दिखाया था कि काशी को क्योटो बना देंगे। अब क्योटो बनी या नहीं बनी इसको देखकर वहां जनता वोट करेगी। अबकी बार मन की बात नहीं चलेगी। हमारी बात आपकी बात 40 करोड़ लोगों की बात और संविधान की बात होगी।

राहुल गांधीः यूपी को मोदी ने बेरोजगारी का सेंटर बना दिया है?

अखिलेशः इतनी बेरोजगारी हो गई है कि यहां इस भीड़ में जितने बच्चे दिखाई दे रहे हैं, ये अग्निवीर और पेपर लीक से परेशान हैं। बीजेपी ने नौकरी के जो झूठे सपने दिखाए थे, आज वह नौजवान खाली हाथ हैं। हम लोग आएंगे तो उस दिशा में काम करेंगे।

राहुल गांधीः नरेंद्र मोदी अब अपने भाषणों में 'खटाखट' बोलने लगे हैं?

अखिलेशः यह आपके भाषणों का असर है कि वह ऐसा करने लगे हैं।

राहुल गांधीः आप मुझे अपने पिता जी के बारे में बताइए?

अखिलेशः नेता जी और उनके साथ के लोग जमीनी राजनीति करते थे। हालांकि नेता जी कुश्ती और पहलवानी के बड़े शौकीन थे। वह इसीलिए धरतीपुत्र कहे गए क्योंकि वह जमीन की बात को समझते थे। थोड़ा रुकने के बाद अखिलेश यादव ने कहा– हमारी (कांग्रेस–सपा) विचारों की लड़ाई रही है, लेकिन हम अब एक साथ लड़ रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा– ये हमारा सबसे मजबूत गठबंधन है।

राहुल गांधीः नरेंद्र मोदी जी डिबेट से क्यों डरते हैं?

अखिलेशः क्योंकि वह सच का सामना नहीं करना चाहते। बीजेपी और बीजेपी के लोग अपनी मर्जी से चलते हैं। लोकतंत्र में जितना डिबेट होगा उतना लोकतंत्र मजबूत होगा।

राहुल गांधीः पहली नौकरी पक्की और महालक्ष्मी ये स्कीम उद्योग को जम्प स्टार्ट करेंगी?

अखिलेशः यह बहुत अच्छी स्कीम रहेंगी। इससे बहुत अच्छा जम्प स्टार्ट होगा। आईआईटी, पॉलिटेक्निक और इंडस्ट्री सबको मिलाकर युवाओं को बेहतरीन रोजगार मिल सकेगा।

राहुल गांधीः हम दोनों का लक्ष्य है कि एजुकेशन और सभी सिस्टम में बदलाव हो?

अखिलेशः बिल्कुल, जो बात इंडिया गठबंधन के सभी दल कहते थे। वो ये है कि जातीय गणना बहुत जरूरी है। हमारा देश जो जाति के चलते पीछे है। उसके लिए यह बहुत जरूरी है।

राहुल गांधीः मुझे लगता है कि अब एक नए तरीके की पार्टनरशिप बनी है। इस बार हमारा कार्पोरेशन बढ़िया रहा?

अखिलेशः सबसे अच्छा ये है कि जितना उन्होंने कहा कि दो लड़कों की जोड़ी। उतना ही युवा हमसे, आप से और इंडिया गठबंधन से जुड़ गया। यह नेशनल अलायंस है। यूथ खुद भी चाहता है कि उसे रोजगार मिले।

राहुल गांधीः हमारी और आपकी थिंकिंग है कि ये नरेंद्र मोदी ने 22–25 लोगों को धन बांटा है। हम महिलाओं और युवाओं के सीधे बैंक अकाउंट में पैसा दें?

अखिलेशः यह जो भी स्कीम है, वो बहुत अच्छी है। महिलाओं और युवाओं के बैंक में सीधा पैसा जाएगा, तो इससे अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। हमारे बीच जितना डिस्कशन होगा, उतना ही हम लोग एक दूसरे को जानेंगे। भाजपा के लोगों ने देश में बहुत खतरा पैदा कर दिया है।

राहुल गांधीः चीन हमारे देश में घुस आया है?

अखिलेशः लद्दाख और अरुणाचल के आसपास की सीमाएं जो चीन से छू रही हैं, वो बहुत बड़ा खतरा है। चीन के बाजार से खतरा है। इसपर ध्यान देना होगा।

10 साल के बच्चे से बर्बरता

हाथ–पांव के साथ बांधा मुंह, फिर ईंट से सिर पर किया वार... तलाश करने का किया नाटक

प्रयागराज । बेरहना में मासूम अंश की अपहरण के बाद हत्या की वारदात में मुख्य आरोपी पम्मी व उसके साथी ने जमकर बर्बरता की। उन्होंने पहले उसका हाथ–पांव व मुंह बांध दिया और फिर ईंट से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, पुलिस को गुमराह करने के लिए हत्या के बाद लौटकर परिजनों संग बच्चे को तलाशने का ड्रामा भी करता रहा। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी पम्मी ने पूरी घटना बयां की। बताया कि घटना वाली रात उसने अंश को 500 रुपये देकर बहलाया। फिर कुछ अच्छा खिलाने की बात कहकर उसे स्कूटी पर बैठा लिया और सरायइनायत ले गया। वहां उसका साथी शनि मिला और फिर दोनों स्कूटी वहीं छोड़कर अंश को कार में बैठाकर हंडिया की ओर चल दिए। उन्होंने सुनसान जगह पर कार रोककर अंश का हाथ–पांव ही नहीं, बल्कि मुंह भी बांध दिया, ताकि वह चीख न सके।

बंधन बहुत कसा होने के चलते ही मासूम कुछ देर में बेसुध हो गया। इसके बाद उन दोनों को लगा कि अब अगर बच्चे को छोड़ा तो वह घरवालों को सबकुछ बता देगा और वह फंस जाएंगे। ऐसे में उन्होंने सिर पर ईंट से वारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। फिर हंडिया पहुंचकर शव फ्लाईओवर के नीचे फेंककर चले आए। उधर सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम के दौरान यह बात सामने आई कि सिर पर लगी चोट की वजह से ही मासूम की मौत हुई। सिर में तीन से चार जख्म के निशान मिले हैं।

अपनी ही चालाकी में धरा गया : हत्या के बाद शनि सरायइनायत में ही रुक गया और पम्मी स्कूटी लेकर वापस चला आया। यहां पुलिस को गुमराह करने के लिए वह परिजनों के साथ रात भर बच्चे को तलाशने का ड्रामा करता रहा। सीसीटीवी फुटेज भी दिखवाता रहा। हालांकि, वह अपनी ही चालाकी में धर लिया गया। दरअसल, तलाश के दौरान ही उसने शनिवार को कहा कि उसने घटना से कुछ देर पहले ही अंश को देखा था और उसे 500 रुपये देकर चौराहे के पास छोड़ दिया था। पुलिस ने जब उससे इसकी वजह पूछी तो वह घबरा गया और बात घुमाने लगा। सीसीटीवी फुटेज में भी वह नजर नहीं आया। शक होने पर उसे थाने लाकर पूछताछ की गई तो वह टूट गया। एसीपी करनलगंज राजीव यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों को दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

परिवार से अच्छे थे संबंध

परिजनों से पूछताछ में यह बात सामने आई कि आरोपी का बच्चे के घर आना–जाना था और माता–पिता से संबंध बहुत अच्छे थे। हाल ही में उसकी शादी हुई थी, जिसमें बच्चे के परिजनों ने 50 हजार रुपये की मदद भी की थी। मोहल्ले के लोगों में उसके प्रति जबरदस्त आक्रोश था। यही वजह रही कि सुबह घटना की जानकारी पर बड़ी संख्या में लोग थाने भी पहुंचे थे।

पिता बोला–मासूम ने क्या बिगाड़ा था : मासूम बेटे की हत्या के बाद पिता शिव मोल व मां ज्योति को गहरा सदमा पहुंचा था। मर्चरी में पूछने पर पिता ने कहा कि उसका पम्मी से कभी कोई विवाद नहीं हुआ, बल्कि पड़ोसी होने के नाते उसने व उसकी पत्नी ने उसकी मदद ही की थी। इसके बाद भी उसने ऐसा क्यों किया, वह समझ नहीं पा रहा है। पिता ने यह भी कहा कि आखिर मासूम ने उसका क्या बिगाड़ा था जो उसे मार दिया।

सोशल मीडिया पर मतपत्र डाला, सिंचाई कर्मी पर एफआईआर

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। चुनाव आयोग पर इस पर निगरानी कर रहा है। इसी में सिंचाई विभाग के एक कर्मचारी को पोस्टल मतपत्र को वायरल करना भारी पड़ गया है। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की दिनेश सिंह की तहरीर पर आरोपी कर्मचारी रामचंद्र यादव व एक अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा में केस दर्ज किया गया है।

सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने तहरीर दी है कि 14 से 18 मई तक लोक सभा सामान्य निर्वाचन–2024 के अन्तर्गत डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया चल रही थी। 14 मई को सिंचाई विभाग में कार्यरत कर्मचारी रामचन्द्र यादव निवासी सिंचाई कालोनी गोविन्दपुर को पोस्टल बैलेट मतदान के लिए उपलब्ध कराया गया था। मतपत्र पर अपना मत अंकित करने के पश्चात मोबाइल से फोटो खींची, जबकि मतदान के दौरान मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध है। इसे कुछ अज्ञात लोगों के माध्यम से वायरल करा दिया गया। इससे मतदान प्रक्रिया की गोपनीयता भंग हुई।

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर जारी, आसमान से बरसी आग, पारा सातवें आसमान पर

प्रयागराज। चिलचिलाती धूप और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर जारी है। इसकी वजह से लगातार तीसरे दिन प्रयागराज का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना रहा। रात में भी तापमान में कोई खास गिरावट नहीं देखी गई। इससे रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहा। इससे लोगों को रात में भी गर्मी का एहसास होने लगा है। वहीं सोमवार को सुबह से ही गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया था, जिसकी वजह से सड़क भट्ठी की तरह तपी तो गर्मी से कई लोगों को सिर चकराने,

उल्टी, दस्त व सर्दी, जुकाम, बुखार की भी समस्या हुई। मौसम विभाग के अनुसार जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाता है, तो हीट वेव का खतरा बढ़ जाता है। हीट वेव का खतरा हर वर्ग के लोगों को रहता है। मगर इनमें सबसे ज्यादा परेशानी मधुमेह के मरीजों को होती है, क्योंकि अत्यधिक गर्मी से मधुमेह के मरीजों का शुगर लेवल बढ़ जाता है, जिसे नियंत्रित करने में काफी मुश्किल होती है। इससे हीट वेव का खतरा बढ़ जाता है। मधुमेह के मरीजों के लिए गर्मियों में डिहाइड्रेशन सबसे बड़ा खतरा है। डायबिटीज के मरीजों को गर्मियों में हाईड्रेशन को बेहतर रखना चाहिए। ऐसे में गर्मी के दिनों में घर से बाहर निकलते समय अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें और थोड़ी–थोड़ी देर में पीते रहें। फिलहाल मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस पूरे हफ्ते हीट वेव का खतरा है। तापमान में वृद्धि होगी और लू चलेगी।

क्या करें शुगर के मरीज

1–सुबह के समय व्यायाम करें
2–धूप में ज्यादा देर रहने से बचें
3–शरीर में पानी की मात्रा कम न होने दें
4–सीमित मात्रा में भोजन करें
5–प्रतिदिन शुगर लेवल चेक करें

शुगर के मरीजों को चाहिए कि वह तेज धूप में ज्यादा देर रहने से बचें। अपने साथ पानी की बोतल हमेशा रखें और शुगर लेवल प्रतिदिन नियम से जांचें। – डॉ.वैशाली सिंह, फिजीशियन, छावनी सामान्य अस्पताल

सोमवार को लू चलेगी व तापमान में वृद्धि होगी। इसके अलावा आसमान साफ रहेगा। वहीं न्यूनतम तापमान में वृद्धि होगी। – प्रो.एचएन मिश्रा, मौसम वैज्ञानिक, प्रयागराज

प्रयागराज–लखनऊ के बीच कनेक्टिविटी को लेकर अफसरों की लापरवाही पड़ रही भारी, डेढ़ दशक बाद भी फोरलेन नहीं हो सका मार्ग

प्रयागराज। लगभग डेढ़ दशक पहले की बात है। लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग रायबरेली से लखनऊ तक फोरलेन हो गया मगर रायबरेली से प्रयागराज तक यह हाईवे फोरलेन अब तक नहीं हो सका। कांग्रेस की सरकार ने लखनऊ से रायबरेली तक सड़क बेहतरीन बनवा दी और फिर भाजपा सरकार आने पर रायबरेली से प्रयागराज तक यह सड़क आज तक चौड़ी नहीं हो सकी। उच्च न्यायालय के जोर देने पर लगभग तीन वर्ष पहले इसका काम शुरू हुआ। सरकार ने महाकुंभ 2025 को लेकर इस सड़क परियोजना को अपनी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल कर लिया। इसके बाद भी यह सड़क महाकुंभ के पहले फोरलेन होते नहीं दिख रही है। जबकि इस सड़क के फोरलेन हो जाने से प्रयागराज से लखनऊ के बीच आवागमन में समय के साथ ही ईंधन की भी बचत हो सकेगी। हादसों पर अंकुश लग सकेगा तो कारोबार भी बढ़ेगा।

रायबरेली तक फोरलेन के लिए पिछले साल 1636 करोड़ पास : महाकुंभ 2025 को लेकर सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाले प्रयागराज–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग को प्रयागराज से रायबरेली तक फोरलेन बनाने के लिए पिछले वर्ष अगस्त में ही सरकार से 1636 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। इसका काम भी शुरू हो गया है लेकिन उसकी गति इस तरह है कि महाकुंभ के पहले इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर अब संशय होने लगा है। इससे दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक जनसमागम में आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। महाकुंभ ही नहीं मौजूदा समय में भी लोगों को प्रयागराज से लखनऊ आने–जाने में दिक्कत होती है। फोरलेन बन जाने के बाद दूरी तीन घंटे में तय हो सकती है, वहीं इस समय पांच घंटे में पूरी होती है।

हाईवे फोरलेन करने को दिए गए कड़े निर्देश

लखनऊ में 16 अगस्त 2023 को हुई शासन की शीर्ष समिति (अपेक्स कमेटी) की बैठक में मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने इस हाईवे के फोरलेन का काम शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए थे। लखनऊ से रायबरेली तक

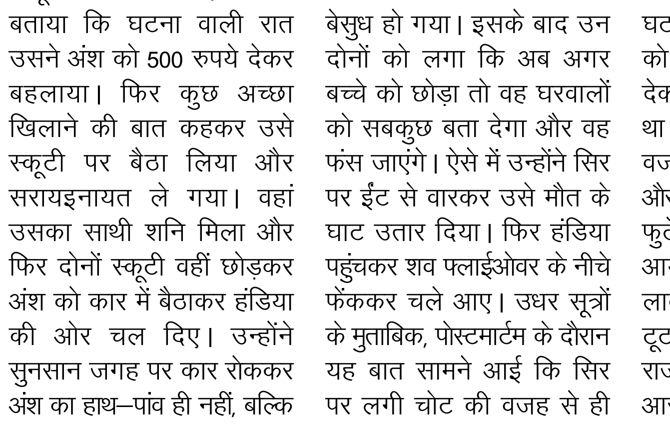

82 किमी तक हाईवे पहले से फोरलेन है। रायबरेली से प्रयागराज तक भी यह हाईवे फोरलेन करने को कड़े निर्देश दिए गए। प्रयागराज से रायबरेली के बीच जगतपुर, बाबूगंज, ऊंचाहार व आनापुर में कुल 24.14 किमी का बाईपास व सई नदी पर पुल बन रहा है। नवाबगंज से मलाक हरहर तक ज्यादा ट्रैफिक होने के चलते लगभग 8.5 किमी तक हाईवे को फोरलेन के बजाय सिक्सलेन कराया जाएगा। लालगोपालगंज से नवाबगंज तक 18 किमी तक फोरलेन बनेगा। इस हाईवे से लखनऊ के साथ ही बरेली, मुरादाबाद समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों के साथ उत्तराखंड से आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद से ही प्रोजेक्ट का कार्य शीघ्र कराने को कहा गया था।

नए फाफामऊ पुल से इस हाईवे को जोड़ने का प्रस्ताव

फाफामऊ के पास मलाक हरहर से नवाबगंज तक हाईवे को फोरलेन के बजाय सिक्सलेन कराने का प्रस्ताव है। गंगा पर बन रहे फाफामऊ सिक्सलेन एक्स्ट्रा डोज पुल को इस हाईवे से जोड़ने की योजना है। महाकुंभ में कनेक्टीविटी को लेकर प्रयागराज–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग सबसे अहम है। बताते हैं कि लालगोपालगंज से नवाबगंज तक 18 किमी तक फोरलेन पर भी सहमति बन चुकी है। पहले रायबरेली से लालगोपालगंज तक 63 किमी तक ही फोरलेन बनाने का टेंडर हुआ था, जिसे बाद में बढ़ाया गया।

गंगा एक्सप्रेस–वे से इस फोरलेन को कनेक्ट करने की मांग : प्रयागराज–लखनऊ फोरलेन को गंगा एक्सप्रेस–वे से कनेक्ट करने की भी मांग उठ रही है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र गिरि, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह एवं राधाकांत मिश्र, पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर भी इस मांग के पक्षधर हैं। इनका कहना है कि इससे गंगा एक्सप्रेस–वे की उपयोगिता और भी बढ़ जाएगी।

दिसंबर 2024 तक फोरलेन करने का दावा

प्रयागराज से रायबरेली तक फोरलेन का कार्य तीन पैकेज में हो रहा है। अभी तक पहले पैकेज का 55 प्रतिशत, दूसरे का 30 प्रतिशत कार्य पूरा हो सका है। तीसरे पैकेज का अभी तक काम ही नहीं शुरू हो सका है। अधिकारियों का कहना है कि तीसरे पैकेज का काम जून में शुरू होगा, जो छह माह में पूरा हो जाएगा। बावजूद इसके अधिकारियों का दावा है कि दिसंबर 2024 तक इस हाईवे के फोरलेन का काम पूरा हो जाएगा।

आठ हजार से ज्यादा वाहन चलते हैं रोज + प्रयागराज–लखनऊ राजमार्ग व्यस्ततम हाईवे में से एक है। इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि इस मार्ग पर रोज आठ से नौ हजार छोटे–बड़े वाहनों की आवाजाही होती है। इनमें कार की संख्या सबसे ज्यादा है। साथ ही वीआइपी के भी काफी वाहन शामिल होते हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के एनएचएआइ के सर्वे का है। माना जा रहा है कि अब इस हाईवे पर और भी वाहन बढ़ गए होंगे।

संक्षिप्त

जनवरी–मार्च में नायरा एनर्जी की पेट्रोल बिक्री 48 प्रतिशत बढ़ी, निर्यात घटा

नयी दिल्ली। देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने 2024 के कैलेंडर साल की पहली तिमाही में पेट्रोल की बिक्री में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। वहीं इस दौरान कंपनी के निर्यात में गिरावट आई है। तिमाही के दौरान कंपनी ने विशेष रूप से ईंधन की स्थानीय मांग को पूरा करने का प्रयास किया है। कंपनी के बयान में कहा गया है कि जनवरी–मार्च तिमाही में उसने अपनी गुजरात की वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित सभी पेट्रोलियम उत्पादों का 70 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा। बयान में कहा गया है कि नायरा एनर्जी ने मुख्य रूप से देश में बढ़ती पेट्रोलियम उत्पादों की मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। कंपनी ने कहा कि 'भारत में, भारत के लिए' के घ्अपने संदेश से प्रेरित होकर उसने सालाना आधार पर घरेलू खुदरा बिक्री में 24 प्रतिशत और संस्थागत बिक्री में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, कंपनी ने इसका अधिक ब्योरा नहीं दिया है। पहली तिमाही में स्थानीय स्तर पर पेट्रोल की बिक्री बढ़कर 8.9 लाख टन हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में छह लाख टन रही थी। इस दौरान कंपनी की डीजल बिक्री 17 लाख टन पर स्थिर रही। देशभर में नायरा एनर्जी के 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप हैं। यह निजी क्षेत्र की किसी कंपनी का सबसे बड़ा खुदरा नेटवर्क है।

म्यूचुअल फंड ने 2024 में शेयरों में 1.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया : ट्रेडजिनी

नयी दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग (एमएफ) ने इस साल भारतीय शेयरों में मजबूत भरोसा दिखाया और लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यह वृद्धि मुख्य रूप से खुदरा निवेशकों के बढ़े हुए भरोसे और शेयर बाजार के मजबूत प्रदर्शन के चलते हुई। ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी(सीओओ) त्रिवेश डी ने कहा कि म्यूचुअल फंड भारतीय बाजार की अंतर्निहित वृद्धि क्षमता को प्राथमिकता देते हैं और चुनाव जैसी अल्पकालिक घटनाओं से कम प्रभावित होते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रभावशाली लोगों और उद्योग के दिग्गजों के आश्चर्यजनक उदाहरणों के कारण व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। त्रिवेश ने कहा कि ऐसे निवेशक, जो आमतौर पर बाजारों से दूर रहना चाहते हैं, उन्होंने म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश करना शुरू किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू महीने के पहले पखवाड़े में म्यूचुअल फंड ने 26,038 करोड़ रुपये और अप्रैल में 20,155 करोड़ रुपये का निवेश किया। म्यूचुअल फंड ने 2024 में सबसे अधिक खरीदारी मार्च में की और इस दौरान शुद्ध निवेश 44,233 करोड़ रुपये रहा। उन्होंने फरवरी में 14,295 करोड़ रुपये और जनवरी में 23,010 करोड़ रुपये का निवेश किया। आंकड़ों के मुताबिक ,इक्विटी में म्यूचुअल फंड का निवेश 2024 में (16 मई तक) लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

एनएसई, बीएसई आज है बंद, जानें लोकसभा चुनाव से जुड़ा क्या है कारण

मुंबई में लोकसभा चुनाव के कारण एनएसई और बीएसई सोमवार को बंद रहेंगे और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने कहा कि एसएलबी और डेरिवेटिव्स सहित बाजार के सभी खंड बंद रहेंगे। सोमवार को लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के तहत कई राज्यों में मतदान हो रहा है।

हैदराबाद के लिए कितनी खतरनाक साबित होगी केकेआर? प्लेऑफ में भारी रहा है दो बार की चौंपियन टीम का पलड़ा

नई दिल्ली। दो बार की चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल इतिहास में पहली बार तालिका में शीर्ष पर रहकर ग्रुप चरण का समापन किया। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का सामना अब मंगलवार को क्वालिफायर–1 सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। केकेआर की टीम अब तक 13 बार आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची है और टीम को आठ बार जीत मिली है, जबकि पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, टीम कभी क्वालिफायर–1 में नहीं हारी है। ऐसे में हैदराबाद के सामने केकेआर कड़ी चुनौती पेश कर सकता है।

हैदराबाद–केकेआर को मिलेंगे दो मौके

ग्रुप चरण के बाद अंक तालिका में शीर्ष दो में रहने का फायदा हैदराबाद और केकेआर को मिलेगा। दरअसल क्वालिफायर–1 खेलने वाली दोनों टीमों को फाइनल में पहुंचने के दो अवसर मिलते हैं। केकेआर और हैदराबाद के बीच क्वालिफायर–1 की विजेता टीम सीधे फाइनल में प्रवेश कर लेगी, जबकि हारने वाली टीम का सामना रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स के बीच बुधवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। आरसीबी और राजस्थान के बीच जो टीम हारेगी उसका सफर समाप्त हो जाएगा, जबकि जीतने वाली टीम को क्वालिफायर–1 की हारने वाली टीम से भिड़ना होगा।

आईपीएल प्लेऑफ में ऐसा है केकेआर का रिकॉर्ड

कोलकाता की टीम का रिकॉर्ड प्लेऑफ में बेहतर है और दो बार खिताब जीत चुकी है। केकेआर की टीम 2021 में विषम परिस्थितियों से उबर कर फाइनल तक पहुंची थी जहां उसे फाइनल में केकेआर से हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर की टीम ने जहां क्वालिफायर–1 में कभी कोई मैच नहीं गवाए हैं, वहीं उसे दो बार एलिमिनिटर और दो बार क्वालिफायर–2 में हार का सामना करना पड़ा है। अब तक टीम दो बार क्वालिफायर–1 खेली है और दोनों ही बार फाइनल में पहुंचकर खिताब जीता है।

विज्ञापन

केकेआर का प्लेऑफ में प्रदर्शन

सीजन	लीग रैंक	नतीजा
2011	4	एलिमिनेटर में हार
2012	2	चौंपियन
2014	2	चौंपियन
2016	4	एलिमिनेटर में हार
2017	3	क्वालिफायर–2 में हार
2018	3	क्वालिफायर–2 में हार
2021	4	उपविजेता

केकेआर के प्लेऑफ में नतीजे

– 2011: मुंबई इंडियंस से एलिमिनेटर में चार विकेट से मिली हार। यह मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम पर खेला गया था

– 2012: पुणे के एमसीए स्टेडियम पर खेले गए क्वालिफायर–1 मैच में दिल्ली कैपिटल्स (तब डेयरडेविल्स) को 18 रनों से हराया

– 2012: चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच विकेट से हराकर पहली बार विजेता बनी

– 2014: कोलकाता के ईडन गार्डेंस पर खेले गए क्वालिफायर–1 मैच में पंजाब किंग्स को 32 रनों से हराया

– 2014: फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराकर दूसरी बार जीता खिताब

– 2016: दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुए एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 22 रनों से मिली हार

– 2017: एलिमिनिटेर मैच में डकवर्थ लुइस नियम से सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया

– 2017: क्वालिफायर–2 में मुंबई इंडियंस ने छह विकेट से हराया

– 2018: ईडन गार्डेंस पर खेले गए एलिमिनेटर मैच में राजस्थान रॉयल्स को 25 रनों से हराया

– 2018: सनराइजर्स हैदराबाद ने क्वालिफायर–2 में 14 रनों से हराया

– 2021: एलिमिनेटर मैच में आरसीबी को चार विकेट से हराकर क्वालिफायर–2 में प्रवेश किया

– 2021: क्वालिफायर–2 में दिल्ली कैपिटल्स को तीन विकेट से मात दी

– 2021: चेन्नई सुपर किंग्स से फाइनल में 27 रनों से हार मिली

आक्रामक बल्लेबाजी से केकेआर और हैदराबाद ने मचाया तहलका

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 सीजन का ग्रुप चरण समाप्त हो चुका है और अब चार टीमें प्लेऑफ में अपना जलवा बिखेरेंगी। पहले क्वालिफायर में दो बार की चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना इस सीजन तूफानी बल्लेबाजी करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। दोनों टीमों की बल्लेबाजी उनका मजबूत पक्ष रहा है।

वैसे तो अंक तालिका में शीर्ष–दो पर रहने के कारण दोनों ही टीमों को फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे, लेकिन केकेआर और हैदराबाद की कोशिश क्वालिफायर–1 से ही सीधे खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने की होगी।

आईपीएल में शीर्ष तीन स्कोर हैदराबाद–केकेआर के नाम

हैदराबाद ने इस सीजन दो बार आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। पहले उसने मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाए और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के 2013 में बनाए पांच विकेट पर 263 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा। इसके कुछ दिन बाद ही हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाए जो आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था। वहीं, केकेआर की टीम भी पीछे नहीं रही और उसने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट पर 272 रन का स्कोर बनाया जो आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। दोनों टीमें जब क्वालिफायर–1 में आमने–सामने होंगी तो दर्शकों को एक बार फिर बड़ा स्कोर देखने मिल सकता है।

नरेन केकेआर को दिला रहे मजबूत शुरुआत

केकेआर के लिए सुनील नरेन बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। नरेन इस सीजन टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं जिन्होंने 461 रन बनाए हैं। वहीं, गेंद से भी नरेन का प्रदर्शन दमदार रहा है। केकेआर के लिए हालांकि फिल सॉल्ट का उपलब्ध ना होना झटका है क्योंकि नरेन और सॉल्ट की जोड़ी इस सीजन काफी सफल रही थी। यह दोनों बल्लेबाज टीम को मजबूत शुरुआत दिला रहे थे और महत्वपूर्ण मैच से पहले ही सॉल्ट स्वदेश लौट गए।

अभिषेक–हेड की जोड़ी है खतरनाक

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की जोड़ी ने इस सीजन बल्ले से ऐसा धमाका मचाया है जिसने हर टीम के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया है। हेड और अभिषेक की जोड़ी पावरप्ले में टीम को तूफानी शुरुआत दिलाती है। हेड भले ही टीम के अंतिम ग्रुप मुकाबले में खाता खोले बिना आउट हुए, लेकिन उनका बल्ला इस सीजन जमकर आग उगल रहा है। अभिषेक और हेड दोनों ने ही इस सीजन 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। हेड अब तक 533 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल है।

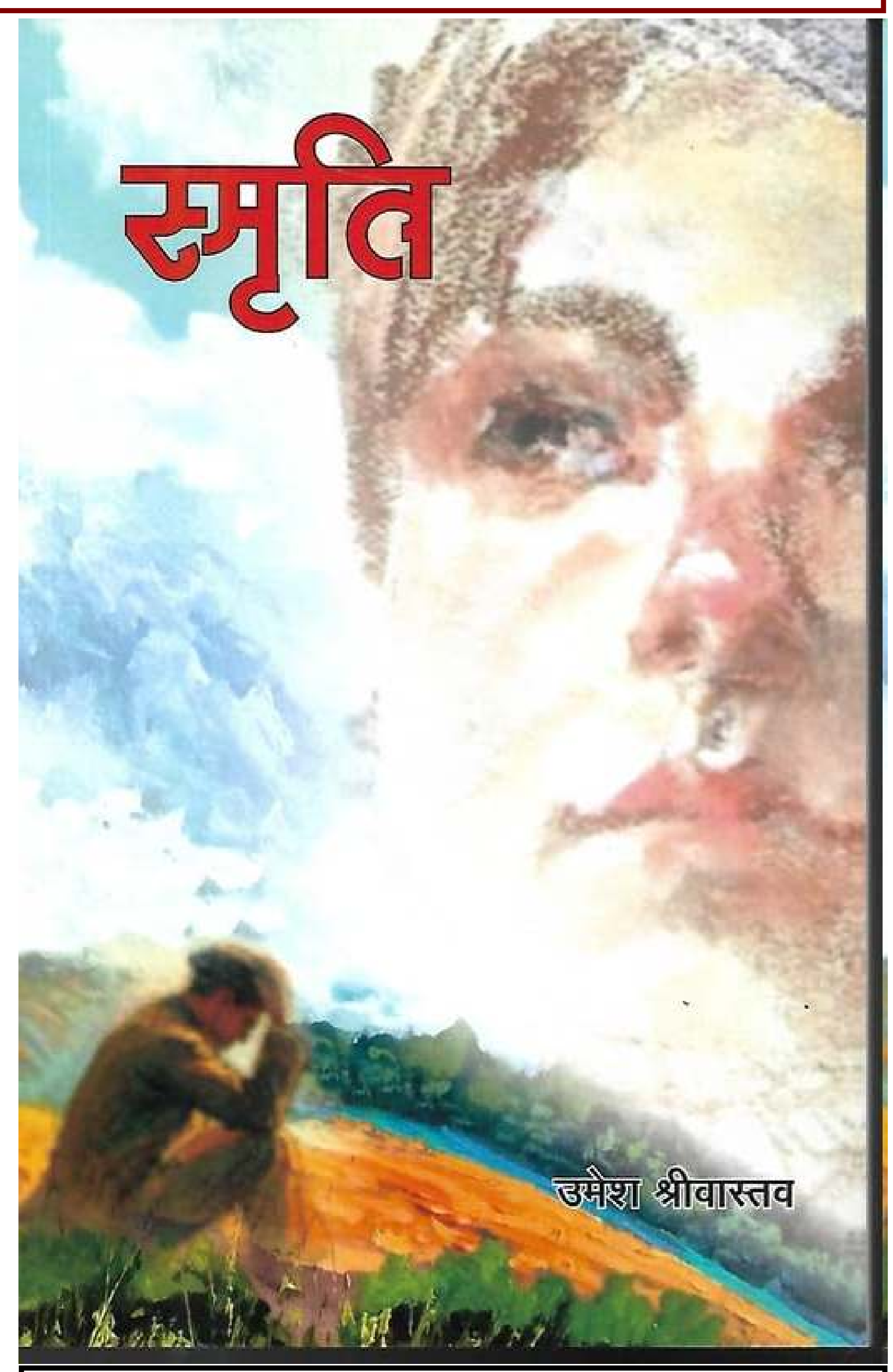

https://www.amazon.in/dp/B0CZXHVPM2?ref=myi_title_dp
पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

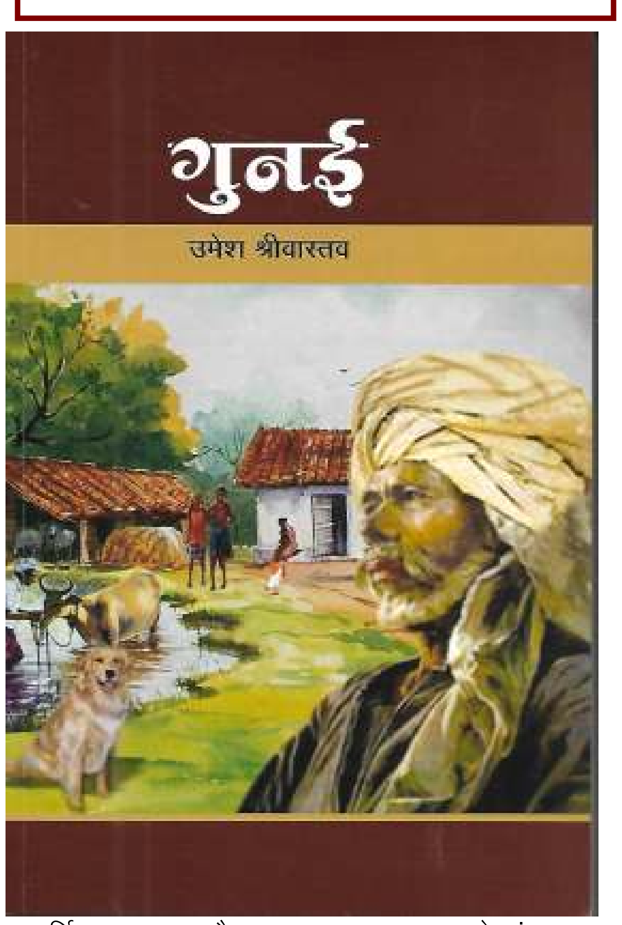

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

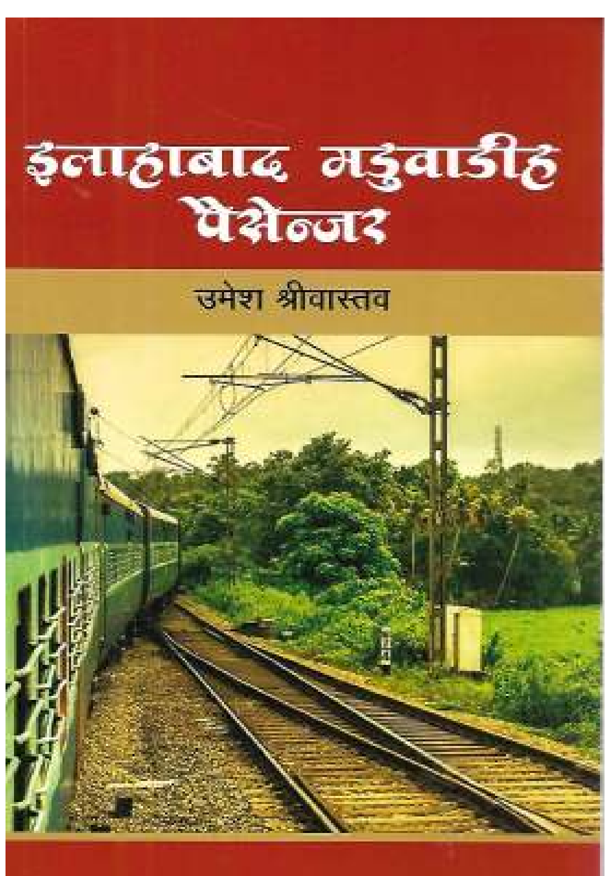

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

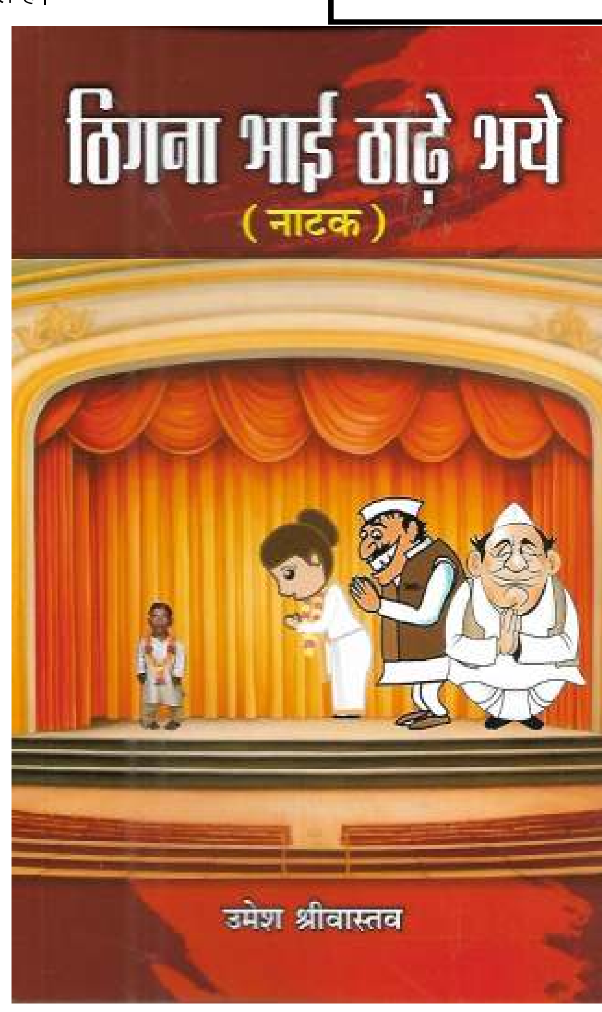

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

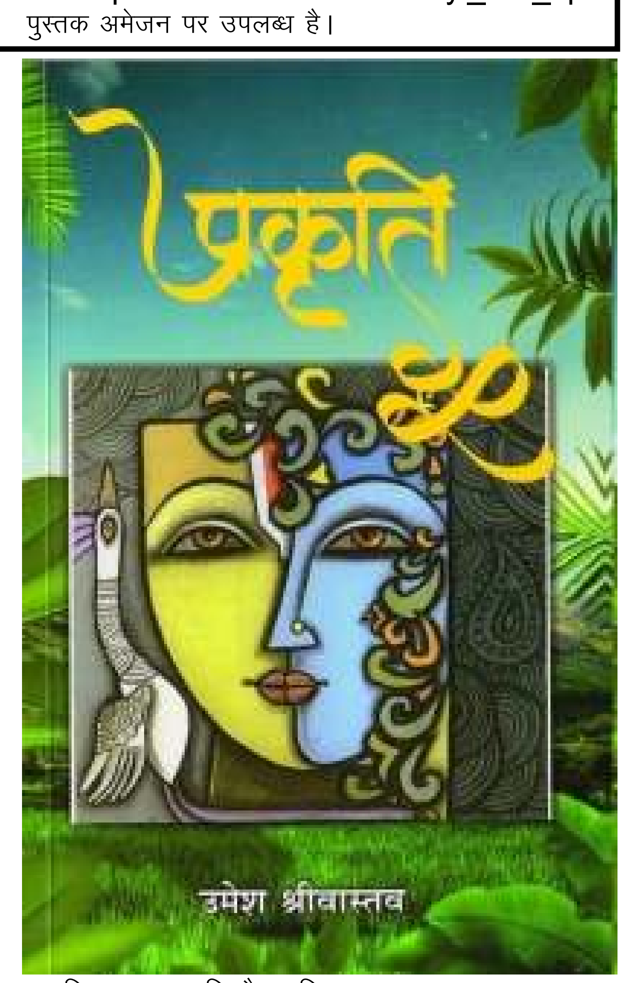

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

सम्पादकीय.......

हीट वेव जोखिम न्यूनीकरण के उपाय

जलवायु परिवर्तन एवं तापमान वृद्धि के कारण विश्व में गर्मी बढ़ रही है। भारत में भी एक गम्भीर मौसमी घटनाओं के रूप में उभरी है। लू के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। लू को प्राकृतिक आपदाओं में साइलेंट किलर के रूप में भी जाना जाता है। लु से बुजुर्ग, बच्चे गर्भवती महिलायें बीमार, मजदूर, झोपड़–पट्टी में रहने वाले और आश्रयविहीन और अधिक प्रभावित होते हैं। असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों को जोखिम उठाना पढ़ता है। गर्मी के बढ़ते मौसम में हीट वेव की स्थिति, शरीर के कार्य प्रणाली पर प्रभाव डालती है। अगर प्रभावित व्यक्ति को तत्काल उचित उपचार न मिले तो व्यक्ति की स्थिति गम्भीर हो जाती है। गर्मी सहन करने की एक सीमा होती है। तापमान में कोई भी अत्यधिक परिवर्तन उत्पादकता को भी प्रभावित करता है। ऐसे में हीट वेव से बचाव एवं न्यूनीकरण के संबंध में तैयारियां एवं जानकारी आवश्यक है।इस सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कानपुर में एक भव्य कार्यशाला का आयोजन कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जागरूक किया गया था। इसमें कानपुर मंडल के सैकड़ों महिलाऐं भाग ली थी। इटावा जनपद की ओर से मुझे भी प्रतिभाग करने का अवसर मिला था। उस कार्यषाला की प्रासंगिकता आज महसूस हो रही है। उसमें बताया गया था कि तेज बुखार, लगातार उल्टी एवं दस्त लू का लक्षण होता है। ऐसा होने पर तौलियाध्गमछा भिगोकर सिर पर रखें और चेहरा को पानी में कपड़ा भिगोकर पोछे। आम का पना, सत्तू का घोल एवं नारियल का पानी पीये। ओ.आर.एस का घोल एवं ग्लूकोज भी नियमित रूप से पीयें। हीट वेव के प्रभावों को कम करने के लिये व्यक्ति को प्यास न लगने पर भी पानी पीते रहना चाहिए, ठंडक प्रदान करने वाले फलों व पेय पदार्थों का सेवन करना चाहिये, तेज धूप होने पर बाहर न निकलें, अगर बाहर निकलना आवश्यक हो तो छाता, गमछा, पानी की बोतल साथ लेकर चलना चाहिए और उनका प्रयोग करना चाहिये। हीट वेव के दौरान बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिये। यदि बच्चों के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह पानी की कमी का शिकार हैं। उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएँ। हमेशा पानी की बोतल अपने पास रखने के लिए कहें। पास में पानी उपलब्ध रहने पर लोग अनचाहे भी पानी पीते रहते है। किसी भी स्थिति में बच्चों या जानवर को बिना देखरेख के धूप में खड़ी वाहन में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं। लू से बचने के लिए पर्याप्त पानी पिएं, भले ही प्यास न लगे। खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, लस्सी, नींबू का पानी, छाछ आदि जैसे घरेलू पेय का इस्तेमाल करें। हल्के वजन, हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें। गमछा, टोपी, छतरी आदि के द्वारा अपने सिर को ढकें। हाथों को साबुन और साफ पानी से बार–बार धोएँ। कार्य स्थल के पास ठंडा पेयजल उपलब्ध कराएं। श्रमिकों को धूप से बचने को कहें। कठोर परिश्रम क्षेत्र भ्रमण करने वालों के लिए दिन के ठंडे समय में काम निर्धारित किया जाय। दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे के बीच बाहर सीधा धूप में जाने से बचें। दोपहर में बाहर जाने पर कठोर परिश्रम वाली गतिविधियों से बचें। धूप में नंगे पाँव न रहें। दिन में जब तापमान अधिक होता है, उस दौरान खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के लिए हवादार, खुले दरवाजे और खिड़कियों वाले स्थान चुनें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड पेय से बचे, जो शरीर को निर्जलित करता है। उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें। जितना हो सके घर के अंदर रहे। अपने घर को ठंडा रखें। पर्दे, शटर या शेड का उपयोग करें और खिड़कियाँ खुली रखें। निचली मंजिलों पर रहने का प्रयास करें। पंखे का प्रयोग करें, कपड़ों को नम करें और ठंडे पानी में स्नान करें। यदि आप बेहोशी या कमजोरी महसूस करते हैं, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। जहां तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान मवेशी को घर के भीतर रखें। जानवरों को किसी बंद आश्रय में न रखें। ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हो, उन्हें ताजा पीने का पानी दे, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें। पीने के पानी के दो बर्तन रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें। अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें। किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा गया हो वहां दिनभर छाया रहें। गर्मी से बेचौनी महसूस हीट वेव से बचाव के लिए सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित हो। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां छाया है जहां पर लोगों का ठहराव होता हो, का चिन्हांकन कर जगह–जगह पर पीने के पानी के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जाये। पानी के खराब हैंडपंप की मरम्मत कर ली जाये। समूह की बैठक कर लोगों को हीट वेव के बारे में बताया जाये। साथ ही साथ उसके बचाव के संबंध में जानकारी दी जाये। सभी विद्यालयों में पेयजल एवं पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित हो। बच्चों को हीट वेव से बचने की ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी जाये। अग्निशमन हर समय एक्शन मोड में रहें, जहां भी आगजनी की समस्या सुनने को मिले तत्काल कार्यवाही करें। जर्जर, टूटे हुए बिजली के खंभों को सही कर लिया जाये। सभी गौशालाओं में गायों के लिए पानी, छाया और हरा चारा व भूसे की पर्याप्त व्यवस्था, घायल व बीमार गौवशों के उपचार की समुचित व्यवस्था कर ली जाये। स्थानीय मौसम की विष्वसनीय जानकारी के लिए समाचार–पत्र पढ़ें, रेडियो सुनें, टीवी देखें। ग्रामीण क्षेत्रों में लू से बचने व बचाने के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार–प्रसार का प्रबन्ध हों। इससे हम लू से बचाव और जोखिम को कम कर सकते है।

सरकार तो आपकी ही, लेकिन सवालों के साथ

प्रेम शर्मा

केन्द्र में दो कार्यकाल से सत्तासीन सरकार की उपलब्धियों एवं अगली पारी के लिए 125 दिन का युवाओं पर केन्द्रित योजनाओं की घोषणा के बाद भी मतदाताओं का पुराने ढ़रे या यू कहे की घर से ना निकलना।

लोकसभा के पॉचवें चरण के लिए 20 मई को मतदान हो रहा है। 330 सीटों पर लगभग मतदान होने के बाद यह स्थिति तो लगभग साफ दिखने लगी है कि भले ही उनका नारा चार सौ के पार रहा हो ऐसा नही हो पा रहा है लेकिन इतना तय है कि एक बार फिर सत्ता भाजपा के खाते में दिखाई दे रही है। अब तक के मतदान में जनता की बेरूखी पूरी तरह सामने नजर आई है। केन्द्र में दो कार्यकाल से सत्तासीन सरकार की उपलब्धियों एवं अगली पारी के लिए 125 दिन का युवाओं पर केन्द्रित योजनाओं की घोषणा के बाद भी मतदाताओं का पुराने ढ़रे या यू कहे की घर से ना निकलना। अब तक के प्रचार प्रसार में महंगाई एवं बेरोजगारी के मुद्दे पर सत्तासीन पार्टी के नेताओं को अलग विचार एवं विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए इन मुद्दों को अन्य मुद्दे उठाकर कर दरकिनार कर देना इस बॉत का प्रमाण है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से युवा वर्ग लगभग दूर ही रहा। इन सबके बावजूद राजनैतिक के धुरधंर इस बॉत पर जोर दे रहे है कि भले ही एनडीए गठबंधन चार सौ के पार का नारा विपक्ष पर दबाव बनाने के लिए करता रहा हो लेकिन पहले चरण के बाद हुए कुछ घटनाक्रम ने उसके चार सौ पार के नारे की आवाज को धीमा कर दिया। इसके बावजूद विपक्ष की अलटपलट राजनीति को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि एक बार फिर सत्ता मोदी के हाथों में होगी। लेकिन शंका इस बॉत की रहेगी कि 2014 और 2019 के मुकाबले इस बार मोदी को सरकार चलाने मे सवालों का सामना करना पड़ेगा। वैसे भी विपक्ष इस बार जिस तरह से मैदान में सामने दिख रहा है इसका असर सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के चेहरे में साफ झलक रहा है। अब भी दो चरण के चुनाव बाकी है, बाजी पलट भी सकती है। लेकिन इसके बावजूद यह कहना गलत होगा कि बाजी इंण्डिया गठंबंधन के हाथ लगेगी, हॉ इतना हो सकता है कि इस बार विपक्ष ताकतवर बनकर सामने आए और अब तक जिन सवालों का जबाब बहुमत वाली सरकार देने से दाये बाये या फिर अपने मनमाफिक निर्णय लेती थी उसे लेने में उसे मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेंगा। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में लगभग 40 प्रतिशत सांसदों का टिकट कटाने के साथ अन्य दलों से आए नेताओं को मैदान में उतार कर इस बॉत का आभास करा दिया था कि कही ना कही उसकी जनता में पकड़ कमजोर हुई है। कई बार संवदेनशील मुद्दों पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी और आरोपियों का पक्ष लिया जाना उसके लिए घातक साबित हुआ है। कोरोना काल का दंश भी इस चुनाव के बीच कुछ अन्दरूनी रूप से हावी रहा है। ज्ञात हो कि 2024 का लोकसभा चुनाव 10 वर्ष पहले हुए लोक सभा चुनावों से एकदम विपरीत है। उस समय भाजपा ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार की कमजोरी का लाभ लेने के लिए 'अच्छे दिन' का वादा किया था। वह बदलाव के लिए हुआ सकारात्मक चुनाव प्रचार था और दशकों बाद एक दल को बहुमत मिला था। 2019 के आम चुनावों में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा अहम था क्योंकि पुलवामा और बालाकोट के मामले जनता की स्मृति में एकदम ताजे थे। आज वैसा कुछ भी देखने को नहीं मिल रहा है।प्रचार अभियान इतिहास के इर्दगिर्द घूम रहा है। कई बार तो मध्यकालीन इतिहास की बातें होने लगती हैं कि किसने कब क्या खाया, आरक्षण को बरकरार रखने या बढ़ाने की बातें हो रही हैं जो अक्सर आबादी के एक हिस्से को दूसरे के खिलाफ करती हैं।अन्य बातों के अलावा संपत्ति और संसाधनों के पुनर्वितरण की बातें हो रही हैं। इनसे आर्थिक वृद्धि की गति बढ़ाने में कोई मदद नहीं मिलेगी। न ही स्कूली शिक्षा के नतीजों में कोई सुधार होने वाला है।उदाहरण के लिए विरासत कर का मुद्दा कुछ दिनों तक बिना वजह चर्चा में रहा और फिर नदारद हो गया। यह बात हम सभी जानते हैं कि भारत जैसे देश में ऐसे कर लगाना बहुत मुश्किल है। वर्तमान में चल रहे चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, चिकित्सा के मुद्दे लगभग गायब है। राजनीतिक दलों द्वारा अप्रासंगिक मुद्दों पर बात करने की एक वजह चुनावों की प्रक्रिया का लंबा होना भी हो सकता है। हो सकता है अगले चरणों में ये अहम मुद्दों पर केंद्रित रहते। वैसे तो भाजपा देश को विकसित बनाना चाहती है तो उसके लिए यह अवसर था कि वह अपनी उपलब्धियां गिनाए और भविष्य के खाके पर बात करे। कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के लिए यह मौका था कि वे उन क्षेत्रों को रेखांकित करें जिनमें सरकार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वे मतदाताओं के समक्ष बेहतर विकल्प भी प्रस्तुत कर सकती थी। यह दुर्भाग्य की बात है कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। भारतीय मतदाताओं को मोटे तौर पर व्यक्तिगत हमले सुनने को मिल रहे हैं और ऐसे मुद्दों पर बात हो रही है जो देश को आगे ले जाने वाले नहीं हैं।भारत को तेज आर्थिक विकास की आवश्यकता है। इसके लिए राजनीतिक पूंजी और ऊर्जा को टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहना चाहिए। इससे जुड़ा एक मसला रोजगार तैयार करने का है।देश की बढ़ती श्रम शक्ति के लिए तथा कृषि में लगी देश की आधी आबादी को उससे बाहर निकालने के लिए उत्पादक रोजगार की आवश्यकता है। तभी उत्पादकता और वृद्धि हासिल किए जा सकेंगे। भारत ये लक्ष्य कैसे हासिल करेगा, यह बात किसी भी राजनीतिक बहस के केंद्र में होनी चाहिए। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज ने चुनाव के पहले एक सर्वेक्षण कराया था जिसमें पाया गया था कि मुद्रास्फीति और रोजगार अधिकांश भारतीयों के लिए प्रमुख मुद्दा हैं। अब वक्त आ गया है कि राजनीतिक बहस उन मुद्दों पर हो जो जनता के जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं।

'फूट–कलह ने खींच दी, आँगन में दीवार'

डॉ0 सत्यवान सौरभ

भौतिकवादी युग में एक–दूसरे की सुख–सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है। कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है। पत्थर होते हर आंगन में फूट–कलह का नंगा नाच हो रहा है। आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है। बड़े–बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है। फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है। एक तरफ सुख में पडोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है। हमें ये सोचना–समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायंगे और ये समाज रहने लायक होगा।)आज सभी को एक संस्था के रूप में पारिवारिक मूल्यों और परिवार के बारे में सोचने–समझने की बेहद सख्त जरूरत है और साथ ही इन मूल्यों की गिरावट के कारण ढूंढकर उनको दुरुस्त करने की भी जरूरत है। इसके लिए समाज के कर्णधार कविध्लेखकोंध्गायकोंध्नायकध्नायिकाओंध्शिक्षक वर्गों और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ–साथ राजनीतिज्ञों को एक संस्था के रूप में परिवार के पतन के निहितार्थ के बारे में भी लिखना और सोचना चाहिए। खुले मंचो से इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि इस गिरावट के कारण क्या है? और इस गिरावट से कैसे उभरा जा सकता है? युवा कवयित्री प्रियंका सौरभ ने इस स्थिति को अपने शब्दों में कहते हुए सही लिखा है कि–

'टूट रहे परिवार हैं, बदल रहे मनभाव।प्रेम जताते गैर से, अपनों से अलगाव।। कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार।परिजन ही दुश्मन हुए, छुप–छुप करे प्रहार।।'

परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। संयुक्त परिवार प्रणाली या एक विस्तारित परिवार भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही है, जब तक कि शहरीकरण और पश्चिमी प्रभाव के मिश्रण ने उस संस्था को झटका देना शुरू नहीं किया। परिवार एक बुनियादी और महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है जिसकी व्यक्तिगत और साथ ही सामूहिक नैतिकता को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों का पोषण और संरक्षण करता है। यह कानून का पालन करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन देकर समाज को स्थिरता प्रदान करता है। यह व्यक्ति में सामूहिक चेतना के निर्माण में मदद करता है। परिवार प्रणाली एक एकल, शक्तिशाली किस्में है जो सदियों से है, और विविधता के साथ समृद्ध, सामाजिक ताने–बाने को मजबूत करती है समाजीकरण में यह भावनात्मक संबंध का प्रमुख स्रोत है, समाजीकरण और नैतिकता को आकार देने के तरीके से सही और गलत की भावना उत्पन्न करता है। बच्चों को उनके माता–पिता, उनके साथियों और उनके समाज के ष्सामाजिक सम्मेलनों के अनुसार नैतिक निर्णय लेने के रूप में देखा जाता है। यह व्यक्तिगत चरित्र को मजबूत करता है। यह आदत बनाने का पहला स्रोत है जैसे अनुशासन, सम्मान, आज्ञाकारिता आदि। नैतिक मजबूती के साथ–साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे है। 'घर–घर में मनभेद है, बचा नहीं अब प्यार।फूट–कलह ने खींच दी, हर आँगन दीवार।।

स्नेह और आशीष में, बैठ गई है रार।अरमानों के बाग में, भरा जलन का खार।।' गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है। इसके कारण भैतिक उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक आकांक्षा वाली पीढ़ी तथाकथित जटिल पारिवारिक संरचनाओं से संयम खो रही है। जिस तरह व्यक्तिवाद ने अधिकारों और विकल्पों की स्वतंत्रता का दावा किया है। उसने पीढ़ियों को केवल भौतिक समृद्धि के परिप्रेक्ष्य में जीवन में उपलब्धि की भावना देखने के लिए मजबूर कर दिया है।वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है। परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। उच्च तलाक की दर निसंदेह सामाजिक रिश्तों को निगल रही है। विवाह के टूटने का प्रमुख कारण एकल रवैये, व्यवहार और समझौता किए गए मूल्यों में प्रौद्योगिकी काला धब्बा है। युवा पीढ़ी का असामाजिक व्यवहार परिवारों को तेजी से नष्ट कर रहा है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुजुर्गों की देखभाल, आदि, बाहर की एजेंसियों, जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी।'बड़े बात करते नहीं, छोटों को अधिकार।

चरण छोड़ घुटने छुए, कैसे ये संस्कार।।

कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार।

परिजन ही दुश्मन हुए, छुप–छुप करे प्रहार।।'

परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है। एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से संबंध हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक संबंधों के कारण जोड़कर रखता है। नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद–पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक–आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है। परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आये दिन कहीं न कहीं बुजुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है।आज ज्यादातर लोग सार्थक जीवन का अभाव झेल रहें है। पारिवारिक प्रणाली के पतन का एक नुकसान ये है कि साझाकरण, देखभाल, सहानुभूति, सहयोग, ईमानदारी, सुनने, स्वागत करने, मान्यता, विचार, सहानुभूति और समझ के गुणों का कम होना है। हाल के दिनों में तनाव की सहनशीलता में कमी, चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे बढ़ रहे हैं। परिवार प्रणाली बुजुर्ग सदस्यों से बात करने, बच्चों के साथ खेलने आदि से गहरी असुरक्षा की अभिव्यक्ति के साथ मानसिक रूप से व्यक्ति को राहत दे सकती है। परिवार प्रणाली में गिरावट अधिक व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के मामले पैदा कर सकती है।भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में कार्यबल का महिलाकरण हो सकता है। हालाँकि, संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहाँ परिवार प्रणाली किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग–अलग स्थानों में अलग–अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार के रूप में रहते हैं।'बच पाए परिवार तब, रहता है समभाव।दुःख में सारे साथ हो, सुख में सबसे चाव।।अगर करें कोई तीसरा, सौरभ जब भी वार।साथ रहें परिवार के, छोड़े सब तकरार।।'

देश मे धार्मिक,सामाजिक वर्ग विभेद समाप्त कर आर्थिक विकास की ऊर्जा का संरक्षण हो

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध आते रहें हैंस देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी हो सकती है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए–नए रूप तथा आयाम देती आई है और समाज में वर्ग विभेद,आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू,मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबब बन चुके है और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग–अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय–समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

कान्स के दूसरे दिन भी छाई किंयारा आडवाणी, ऑरेन्ज ड्रेस में जीत लिया दिल

“ सोशल मीडिया पर कियारा आडवाणी के ७७वें कांस फिल्म फेस्टिवल २०२४ के लुक छाए हुए हैं, जिसमें उनका एक अलग ही अंदाज और स्टाइल देखने को मिल रहा है।कांस फिल्म फेस्टिवल में कियारा आडवाणी ने अपने दूसरे दिन के दौरान मीडिया से बातचीत की और भारत के डिजाइनर की तारीफ की। एक्ट्रेस दूसरे दिन ऑरेन्ज कलर की ड्रेस में बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं।

कियारा आडवाणी का कांस फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन का लुक भी सामने आ गया है जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। अपने स्टाइलिश डेब्यू से सभी का दिल जीतने वालीं कियारा कांस के दूसरे दिन ऑरेन्ज कलर की रुच्ड ड्रेस पहने नजर आईं। पहले दिन एक्ट्रेस वाइट हाई स्लिट गाउन में दिखी थीं। वहीं सोशल मीडिया पर कियारा आडवाणी के 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल 2024 के लुक छाए हुए हैं, जिसमें उनका एक अलग ही अंदाज और स्टाइल देखने को मिल रहा है।कांस फिल्म फेस्टिवल में कियारा आडवाणी ने अपने दूसरे दिन के दौरान मीडिया से बातचीत की और भारत के डिजाइनर की तारीफ की। एक्ट्रेस दूसरे दिन ऑरेन्ज कलर की ड्रेस में बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। ये फ्लोर–लेंथ आउटफिट डिजाइनर अलाइया की वार्डरोब से है। वहीं सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट लक्ष्मी लेहर ने कियारा को स्टाइल किया। इस बीच, कियारा ने ग्लैम पिक्स के लिए वायरल क्लीन–गर्ल मेकअप लुक किया। फेदर आइब्रो, स्मज्ड पीच आई शैडो, ग्लॉसी कोरल लिप शेड, चीकबोन्स पर पीच ब्लश, विंग्ड आईलाइनर, बीमिंग हाइलाइटर और लाइट कंटूरिंग से मेकअप को पूरा किया। इस ऑरेन्ज कलर की रुच्ड फ्लोर–लेंथ ड्रेस में कियारा आडवाणी बेहद खूबसूरत लग रही थी। कांस से एक्ट्रेस के दूसरे दिन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही छा गई हैं। लोग कियारा के लुक देख उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। अलग–अलग लुक्स से रेड कार्पेट पर अपने हुस्न का जलवा दिखाने में कियारा आडवाणी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। उनके दूसरे दिन का लुक देख आप भी उन पर फिदा हो जाएंगे।वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी की झोली में राम चरण की 'गेम चेंजर' सहित कई फिल्में हैं। वाईआरएफ की 'वॉर 2' और रणवीर सिंह की 'डॉन 3'भी इस लिस्ट में शामिल है। बता दें कि पहली बार एक्ट्रेस कियारा आडवाणी कांस इवेंट में शामिल हुईं। उन्होंने अपने कांस डेब्यू के लिए व्हाइट हाई स्लिट गाउन पहनी थी।

पहली बार एक्शन मोड में कार्तिक आर्यन, ट्रांसफॉर्मेशन देख उड़े फैंस के होश

“ हाल ही में फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया जा चुका है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। 'चंदू चौंपियन' का ट्रेलर बेहद जबरदस्त है। पूरे ट्रेलर में कार्तिक अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का मनोरंजन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। तीन मिनट १५ सेकंड लंबे इस ट्रेलर में कार्तिक की मेहनत साफ झलक नजर आ रही है।

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म 'चंदू चौंपियन' को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों फिल्म से उनके कई लुक्स भी सामने आए चुके हैं, जिसे देख फैंस की इस फिल्म की एक्साइटमेंट बढ़ती हुई दिखाई दी। वहीं अब हाल ही में फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया जा चुका है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। 'चंदू चौंपियन' का ट्रेलर बेहद जबरदस्त है। पूरे ट्रेलर में कार्तिक अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का मनोरंजन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। तीन मिनट 15 सेकंड लंबे इस ट्रेलर में कार्तिक की मेहनत साफ झलक नजर आ रही है। सेना के जवान मुरली पेटकर के किरदार में कार्तिक पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। वहीं फिल्म में उनका गजब का बॉडी ट्रासफॉर्मेशन भी देखने को मिल रहा है। इसके अलावा ट्रेलर में साल 1965 की जंग की झलक भी नजर आई है। ट्रेलर की शुरुआत में बताया जाता है कि जंग में नौ गोली लगने की वजह से वे दो साल से कोमा में हैं। इसके बाद चंदू के जीवन के पिछले घटनाक्रमों को दिखाया जाता है। यकीनन ये ट्रेलर देखकर आपके रौंगटे भी खड़े हो जाएंगे। फैंस ट्रेलर को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं कॉमेंट कर के फिल्म को बिगेस्ट हिट बता रहे हैं।बता दें कि 'चंदू चौंपियन' 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी । वहीं 'चंदू चौंपियन' के अलावा कार्तिक आर्यन डायरेक्टर अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक नजर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस साल दिवाली के मौके पर फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में कार्तिक के साथ तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित लीड रोल में होंगे। कार्तिक आखिरी बार 'सत्यप्रेम की कथा' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अपोजिट कियारा आडवाणी मुख्य किरदार थीं।

यामी गौतम बनीं मां, कपल ने बेटे का नाम रखा वेदविद, जानें क्या है इसका मतलब

यामी गौतम और आदित्य धर ने अपने जीवन की सबसे खुशखबरी साझा की है, टिनसेल शहर के इस प्यारे जोड़े को एक बच्चे का आशीर्वाद मिला है। आदित्य ने अपने इंस्टाग्राम पर यह खबर प्रशंसकों के साथ साझा की और पोस्ट में अपने नन्हे–मुन्नों के अनोखे नाम का भी खुलासा किया। 10 मई यानी अक्षय तृतीया को अपने बेटे के जन्म के बारे में जानकारी साझा करते हुए फिल्म निर्माता ने अपने बच्चे का नाम वेदाविद बताया।

वेदविद का मतलब क्या है?

इस अनोखे नाम ने बहुत ध्यान खींचा और यही इसका मतलब है। वेदविद का अर्थ है वह व्यक्ति जो वेदों में पारंगत हो। आदित्य धर और यामी गौतम नए माता–पिता बनने से बहुत खुश हैं और वे अपने प्यारे बेटे के उज्ज्वल भविष्य की आशा करते हैं। ष्जैसा कि हम माता–पिता बनने की इस खूबसूरत यात्रा पर निकल रहे हैं, हम उत्सुकता से अपने बेटे के उज्ज्वल भविष्य की आशा करते हैं। उसके हर मील के पत्थर को हासिल करने के साथ, हम आशा और विश्वास से भरे हुए हैं कि वह हमारे पूरे परिवार के लिए गौरव का प्रतीक बनेगा। साथ ही हमारा प्रिय राष्ट्र भी।'' यामी गौतम और आदित्य धर ने जून 2021 में शादी की और अपनी शादी के 3 साल बाद, जोड़े ने अब अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। यामी वेदाविद की उम्मीद के दौरान आर्टिकल 370 की शूटिंग कर रही थीं और ऐसा लगता है कि इस अनोखे नाम को रखने के पीछे का कारण यह है कि उन्हें लगता है कि उनका बेटा वास्तव में महाभारत के अभिमन्यु की तरह है, जिसने अपनी मां के गर्भ से ज्ञान प्राप्त किया था और ट्रेलर लॉन्च पर भी इसका उल्लेख किया था।

बॉलीवुड हसीनाओं को टक्कर देती हैं रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी बीती शाम एक इवेंट में शामिल हुई थी राशा ने स्टाइल और फैशन सेंस का जलवा दिखाकर पूरी महफिल की लाइमलाइट बटोर ली। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपने स्टाइलिश अवतार और ग्लैम लुक्स के लिए अक्सर ही सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। हाल में भी राशा ने अपने फैशन सेंस से फैंस को इंप्रेस करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, राशा थडानी ने ब्लैक पर व्हाइट स्ट्राइप्स वाला को–अर्ड सेट कैरी किया था। कटस्लीव टॉप वाले स्टाइलिश आउटफिट में राशा थडानी बेहद ही खूबसूरत नजर आईं, राशा ने ब्लैक आउटफिट के साथ मैचिंग ब्लैक बैग कैरी किया, राशा थडानी ने लुक को पूरा करने के लिए बालों को बीच से पार्टिशन करके पोनी में स्टाइल किया। अपने लुक को राशा ने मेकअप सॉफ्ट रखकर ब्राउन शेड लिपस्टिक के साथ पूरा किया था। राशा थडानी के लेटेस्ट लुक की फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली हैं। हालांकि

पूजा हेगड़े ने फैंस के साथ शेयर किए फैशन टिप्स

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने फैंस के साथ गर्मियों के लिए अपने फैशन टिप्स शेयर किए। मुंबई में मई का महीना सबसे गर्म होता है और यहां हवा में नमी भी बहुत रहती है। आईएएनएस ने जब पूजा से पूछा कि कैसे वह मुंबई की भीषण गर्मी के दौरान खुद को कूल रखती हैं, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, मुंबई की गर्मी से बचने के लिए मुझे अपने शॉर्ट्स, बैगी पैंट और लूज पैंट पसंद हैं। मैं इन्हें प्रिंटेड और कॉटन टी–शर्ट के साथ पहनना पसंद करती हूं। फुटवियर के बारे में पूजा ने कहा कि वह आम तौर पर लाइट शूज चुनती हैं। पूजा ने आईएएनएस को बताया कि वह मुंबई की भीषण गर्मी से बचने के लिए अक्सर स्नीकर्स चुनती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मौका मिलते ही मैं स्नीकर्स या फ्लिप–फ्लॉप पहन लेती हूं। समर फैशन को लेकर एडवाइज देने पर उन्होंने कहा, मैं कुछ ऐसा पहनने का सुझाव दूंगी जो कंफर्टेबल हो।

गर्मी से राहत पाएं स्वादिष्ट लाहौरी जीरा ड्रिंक बनाकर, नोट करें रेसिपी

गर्मियों के दौरान सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है खुद को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखना। जैसे–जैसे पारा का स्तर बढ़ता है, लू लगना या होंठ सूखना काफी आम है। इस मौसम के दौरान, डिहाइड्रेशन एक आम समस्या बन जाती है क्योंकि पसीने के कारण हमारे शरीर में तेज गति से पानी की कमी हो जाती है, खासकर जब आप बाहर काम कर रहे होते हैं। इससे कमजोरी, सुस्ती महसूस होना, थकान और समग्र असुविधा जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं। हालांकि पानी पीना ही समाधान है, आइए इसे स्वीकार करें, कभी–कभी सादा पानी बहुत उबाऊ हो सकता है। ऐसे मामलों में, घर का बना पेय आपको हाइड्रेटेड रखने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। चलिए आपको बताते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

– नींबू– 1 टुकड़ा
– जीरा पाउडर –1/4 बड़ा चम्मच.
– शहद –1/2 बड़ा चम्मच
– काला नमक– 1/4 बड़ा चम्मच.
– काली मिर्च– 1 चुटकी
– चाट मसाला – 1/4 बड़ा चम्मच
– पुदीने की पत्तियां– 3 से 4
– सोडा
– बर्फ के टुकड़े– आवश्यकतानुसार
– धनिया पाउडर – 1 चुटकी (यह वैकल्पिक है)

कैसे बनाएं ये ड्रिंक? इन स्टेप्स का पालन करें

– एक गिलास लें और उसमें एक नींबू निचोड़ लें।

– ताजा स्वाद और महक के लिए इसमें कुछ पुदीने की पत्तियां मिलाएं।

– इसके बाद गिलास में 1/4 बड़ा चम्मच चाट मसाला, 1/4 बड़ा चम्मच जीरा पाउडर, 1/4 बड़ा चम्मच काला नमक, 1 चुटकी धनिया पाउडर और 1/2 बड़ा चम्मच शहद डालें और सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें।

– अपनी पसंद के अनुसार कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और गिलास के ऊपर सोडा पानी डालें।

– इसे अच्छी तरह से हिलाएं और आपका होममेड लाहौरी जीरा ड्रिंक तैयार है। ठण्डा करके परोसें।

– आप इसे कुछ पुदीने की पत्तियों और नींबू के पतले टुकड़े से सजा सकते हैं।

लाहौरी जीरा ड्रिंक के फायदे

–यह आपकी वजन घटाने की यात्रा में मदद कर सकता है।

–यह पेय पाचन समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए सबसे अच्छा है, खासकर गर्मी के मौसम में।

– चूंकि इसमें जीरा या जीरा होता है, यह प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने और एनीमिया का इलाज करने में मदद कर सकता है।

–यह पेय पोषक तत्वों से भरपूर है और शरीर के तापमान को कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

–यह अन्य कैलोरी युक्त पेय पदार्थों की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है।

सनस्क्रीन से जुड़े 5 मिथक और उनकी सच्चाई, रोजाना अप्लाई करें सनस्क्रीन

त्वचा की देखभाल में सनस्क्रीन एक आवश्यक घटक है, जो हमारी त्वचा को यूवी विकिरण के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। स्किन एक्सपर्ट और लोगों ने इस तथ्य पर जोर दिया है कि किसी को भी अपनी दिनचर्या से सनस्क्रीन नहीं छोड़ना चाहिए। सनस्क्रीन के फायदों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के इन सभी प्रयासों के बावजूद, कई लोग इसका उपयोग नहीं करते हैं या इसके आसपास मौजूद कई मिथकों से गुमराह होते हैं।

यहां सनस्क्रीन के उपयोग से जुड़े कुछ सामान्य मिथक हैं –

सनस्क्रीन से विटामिन डी की कमी होती है

यह व्यापक रूप से ज्ञात है कि जब आपकी त्वचा धूप के संपर्क में आती है, तो यह विटामिन डी का उत्पादन करती है। सूर्य की यूवीबी किरणें त्वचा के साथ संपर्क करती हैं, जो अंततः विटामिन डी के उत्पादन में मदद करती हैं। भले ही आप सही तरीके से सनस्क्रीन का उपयोग करते हों, लेकिन सूरज की कुछ यूवीबी किरणें त्वचा के साथ संपर्क में आती हैं। आपकी त्वचा तक पहुंचेगा, जो शरीर के लिए पर्याप्त है।

उच्च एसपीएफ से अधिक सुरक्षा मिलती है

एसपीएफ, या धूप से सुरक्षा कारक, का इस बात पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है कि सनस्क्रीन त्वचा पर कितने समय तक टिकेगी। यह एक आम धारणा है कि उच्च एसपीएफ उन उत्पादों की तुलना में अधिक सुरक्षा प्रदान करता है जिन पर कम सामग्री का लेबल लगा होता है। उच्च एसपीएफ उत्पाद अधिक महंगे हैं लेकिन दूसरों की तुलना में बहुत बेहतर नहीं हो सकते हैं। यह याद रखना चाहिए कि कोई भी सनस्क्रीन 100ः कवरेज प्रदान नहीं कर सकता है।

अगर मेकअप में एसपीएफ है तो आपको सनस्क्रीन की जरूरत नहीं है

बहुत सारे फाउंडेशन या मॉइस्चराइजर में एसपीएफ होता है, जो धूप से कुछ सुरक्षा प्रदान कर सकता है, लेकिन यह नियमित सनस्क्रीन की तरह काम नहीं करता है। चूंकि आप इसकी केवल हल्की परत ही अपने चेहरे पर लगाते हैं, इसलिए इसकी स्थिरता पतली होती है। मेकअप उत्पादों का उपयोग केवल चेहरे पर ही किया जाता है, लेकिन गले, गर्दन के पीछे या धूप के संपर्क में आने वाले अन्य क्षेत्रों को भी सुरक्षा की आवश्यकता होती है।

सनस्क्रीन केवल चेहरे के लिए है

आपके चेहरे की त्वचा आपके शरीर की तुलना में बहुत पतली और अधिक संवेदनशील होती है। परिणामस्वरूप, सुरक्षा के लिए उच्च एसपीएफ की आवश्यकता होती है। हालांकि, आपके शरीर की त्वचा यूवी क्षति से बचाने के लिए पर्याप्त मोटी नहीं है। आपको अपने चेहरे की तरह ही अपने शरीर के बाकी हिस्सों की भी देखभाल करनी चाहिए। प्रतिदिन सन–सेफ लोशन लगाएं।

आपको घर के अंदर सनस्क्रीन की आवश्यकता नहीं है

हानिकारक यूवी किरणें कांच की खिड़कियों में भी प्रवेश कर सकती हैं। इसलिए, यह धारणा कि अगर कोई घर पर है या कार में यात्रा कर रहा है तो उसे सनस्क्रीन की आवश्यकता नहीं है, गलत है। यात्रा करते समय, सुनिश्चित करें कि आप और आपका परिवार धूप से बचाव के कपड़े पहनें।

हाई यूरिक एसिड में भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन, बढ़ सकती है दिक्कत

यूरिक एसिड का बढ़ना आज कल के समय में बेहद आम हो गया है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण हमारे शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है। इसकी वजह से हमें कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं, जैसे जोड़ों में दर्द, उंगलियों और हड्डियों में सूजन आदि दिक्कतें हो सकते हैं। आपको बता दें कि हमारे शरीर में प्यूरीन नामक एक प्रोटीन होता है जिसकी वजह से शरीर में हाई यूरिक एसिड होता है। प्यूरीन एक खाद्य पदार्थों में पाया जाने वाला पदार्थ है । ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से हमारे शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने लगता है। इसलिए इसे सही समय पर कंट्रोल करना बेहद जरूरी है। ऐसे में आपको अपनी डाइट पर खास ध्यान देने की जरूरत होगी। कुछ ऐसी चीजें हैं जिनका यूरिक एसिड में खाना सख्त मना होता है। तो चलिए अब हम आपको उन्हीं के बारे में बताते हैं।

हाई यूरिक एसिड में इन सब्जियों का सेवन करने से बचना चाहिए–

1. पालक

पालक एक ऐसी पौष्टिक और स्वादिष्ट सब्जी है, लेकिन प्यूरीन की मात्रा इसमें काफी अधिक होती है इसलिए जिन्हें हाई यूरिक एसिड की समस्या होती है। इसलिए उन्हें पालक का सेवन नहीं करना चाहिए।

2. मशरूम

मशरूम में प्यूरीन काफी अधिक मात्रा में होता है। ज्यादा मात्रा में इसका इस्तेमाल करने से शरीर में यूरिक एसिड का खतरा बढ़ सकता है। जिस से कई गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती है। इसका ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए।

3.फूलगोभी

यूरिक एसिड में फूलगोभी का सेवन करना बिल्कुल भी लाभदायक नहीं है। फूलगोभी में प्यूरीन की मात्रा बहुत अधिक होती है। इसका इस्तेमाल करने से शरीर में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

4.अंडे

अंडे में भी प्यूरीन काफी ज्यादा होता है।यूरिक एसिड में इसका सेवन करना बहुत नुकसानदायक है।

5.ब्रोकली

हाई यूरिक एसिड में ब्रोकली का सेवन करने काफी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। इसमें प्यूरीन बहुत ज्यादा होता है।

शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने पर ये लक्षण दिखाई देते हैं–

– किडनी स्टोन की समस्या
– किडनी से जुड़ी गंभीर समस्याएं
–पीठ में गंभीर दर्द
–जोड़ों में गंभीर दर्द और सूजन
–बार–बार पेशाब आना
–जोड़ों को छूने पर दर्द होना
–पीठ में गंभीर दर्द
–उठने–बैठने में परेशानी होना
–उंगलियों में सूजन आना

ऐसे में अगर आपको भी इन में से कोई भी तरह के लक्षण दिखने लगें तो तुरंत जा कर अपने डॉक्टर से मिलें।

अमरूद ही नहीं बल्कि इसके पत्ते भी करते हैं कमाल, उबालकर पिने से दूर होती हैं ये 5 समस्याएं

अमरूद स्वादिष्ट होने के साथ–साथ हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है ये तो सबको पता है, लेकिन क्या आपको ये पता है की इसके पत्ते भी हमारे लिए बहुत लाभदायक होते हैं। जी हां, इसमें विटामिन, मिनरल, माइक्रो और मैक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो कई तरह की सेहत से जुड़ी परेशानियों से हमें बचाने का काम करते हैं। कहते हैं की अगर आप सुबह खाली पेट अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर इस पानी का सेवन करते हैं तो ये पाचन संबंधी समस्याओं में सुधार करने में काफी मददगार साबित होता है। सिर्फ यही नहीं बल्कि इसके सेवन से कई तरह की और भी बीमारियां भी खत्म हो जाती हैं। तो चलिए इसी के साथ जानते हैं इससे होने वाले अन्य फायदों के बारे में –

दिल के लिए

खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल को बढ़ावा देने में अमरूद के पत्तों का पानी बहुत लाभकारी है। जिससे यह हाई बीपी और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में भी लाभकारी है।

वेट लॉस करने में

पाचन को दुरुस्त कर आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में यह अमरूद के पत्तों का पानी बहुत लाभकारी है। यह भोजन के बेहतर पाचन, अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने और भोजन से पोषक तत्वों के बेहतर करने में सहायक है। जिससे तेजी से फैट बर्न होता है।

खून की कमी दूर करने में सहायक

खून की कमी या एनीमिया के रोगियों के लिए यह अमरूद के पत्तों का पानी बहुत लाभकारी है। यह रक्त में ऑक्सीजन को बढ़ाता है। डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट्स बढ़ाने में भी मदद करता है। साथ ही लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देता है।

दिमाग के लिए फायदेमंद

अगर आप नियमित रूप से अमरूद का सेवन करते हैं, तो यह दिमाग को स्वस्थ बनाता है। थायराइड के लिए लाभदायकअमरूद में कॉपर उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो थायराइड को कंट्रोल करने में सहायक है। इसमें मौजूद पोषक तत्व थायराइड के मरीजों के लिए लाभदायक है।

त्वचा के लिए लाभकारी

अमरूद के पत्तों का ए नेचुरल ब्लड डिटॉक्स ड्रिंक है, जिससे यह शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स और हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालता है।

काव्य की बही सरस बयार
वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की गोष्ठी

प्रयागराज |वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की गोष्ठी संजय सक्सेना के निवास स्थान, 174– ।, अलोपीबाग, इलाहाबाद में सम्पन हुई।

श्रीप्रकाश मिश्र जी की अध्यक्ष, मुख्य अथिति प्रेमा राय, विशिष्ट अतिथि कल्पना वर्मा, कविता उपाध्याय रही। इसके पूर्व माँ वाणी को दीप प्रज्ज्वलित किया गया। वाणी वंदना महिला काव्य गोष्ठी की अध्यक्षा रचना सक्सेना ने किया।

इस काव्य गोष्ठी कार्यक्रम में के पी गिरि, देवी प्रसाद पाण्डेय, प्रेमा राय, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, रामलखन शुक्ल, जया मोहन, श्रीप्रकाश मिश्र, शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, प्रदीप चित्रांशी, उमेश श्रीवास्तव, इंदु प्रकाश मिश्र, केशव सक्सेना, रवि मिश्रा, राजेश सिंह राज, सविता श्रीवास्तव, कविता उपाध्याय, कल्पना वर्मा ने सुंदर काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन राकेश मालवीय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संजय सक्सेना ने किया।

हिंदी साहित्य के संवर्धन में शहर समता अग्रणी
रंजन पाण्डेय,निदेशक,लोकरंजन प्रकाशन,

प्रयागराज। प्रयागराज की पावन धरती पर हिंदी साहित्य के अनेक महीषियों ने अपने सृजन से हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है। हिंदी साहित्य के संवर्धन और विकास के लिए ऐसे ही समर्पित एक संस्था है– शहर समता विचार मंच।

20 मई 2001 को शहर समता समाचार पत्र डेली एवं साप्ताहिक का प्रकाशन आरंभ किया गया था। आज 20 मई 2024 को इस समाचार पत्र ने अपने प्रकाशन के 24 वें वर्ष में प्रवेश किया है। 23 वर्ष पूर्व रोपी गयी इस बेल ने अब विशाल वृक्ष का रूप धारण कर लिया है।

वर्तमान में शहर समता साप्ताहिक छह प्रकार के विशेषांक निकालता है। सर्वप्रथम केंद्रित विशेषांक किसी रचनाकार के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित होता है जिसमें रचनाकार की कहानी, लेख अथवा कविताएं प्रकाशित किए जाते हैं। कवि और कविता विशेषांक के अंतर्गत रचनाकार की लगभग 35 से 40 कविताएं उसके चित्र सहित प्रकाशित की जाती हैं। नवांकुर काव्य गोष्ठी विशेषांक के अंतर्गत 10–20 रचनाकारों के काव्य पाठ पर तीन समीक्षकों द्वारा टिप्पणियां छपती हैं। महिला काव्य गोष्ठी विशेषांक में काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करने वाली महिला की रचना प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक माह पुरुष काव्य गोष्ठी विशेषांक में पुरुष कवियों की काव्य पाठ करती हुई रचनाएं प्रकाशित की जाती है। शहर समता साप्ताहिक अखबार में एक विशेषांक ष्विमर्श अंकष् के नाम से भी प्रकाशित होता है। इसमें चार पेज इतिहास खंड और चार पेज आज के दौर की कविता, कहानी, पुस्तक समीक्षा आदि को समर्पित होते हैं।

इन 23 वर्षों में शहर समता साप्ताहिक अखबार की कीर्ति सारे देश मे फैल गयी है। हिंदी साहित्य के उन्नयन में प्रयागराज से प्रकाशित होने वाले इस प्रतिष्ठित समाचार पत्र का यह प्रयास सराहनीय है,अनुकरणीय है।

आज आएंगे डिप्टी सीएम पूर्व विधायक व सांसद प्रत्याशी में ठनी

प्रतापगढ़। प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मंगलवार को रानीगंज के लच्छीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में रानीगंज के पूर्व विधायक धीरज ओझा के धुर विरोधी पूर्व ब्लाक प्रमुख विनोद दूबे को सांसद संगमलाल गुप्ता पार्टी में ज्वाइन कराना चाहते हैं। पूर्व विधायक ने सांसद के इस निर्णय का विरोध कर रहे हैं। पूर्व विधायक धीरज ओझा व सांसद संगमलाल गुप्ता के बीच रार किसी से छिपी नहीं है। कई मौकों पर एक दूसरे पर जुबानी हमला करते रहे हैं। धीरज ओझा को मात देने के लिए संगमलाल गुप्ता रानीगंज से विनोद दूबे को पार्टी में ज्वाइन कराना चाहते हैं। विनोद दूबे को पार्टी में ज्वाइन कराने को लेकर दोनों के बीच रार आम न हो जाए इस मुद्दे पर सोमवार को जिले के संगठन के बीच बैठक हुई। जिसमें एक धड़ा विनोद दूबे के आपराधिक इतिहास को बताते हुए उन्हें पार्टी में ज्वाइन कराने का विरोध कर रहा है। जबकि संगमलाल का धड़ा उन्हें पार्टी में ज्वाइन कराने पर आमादा है। संगठन के एक नेता ने बताया कि संगमलाल गुप्ता संगठन से ऊपर अपने को मानते हैं। संगम के कृत्यों से पार्टी की छीछालेदर हो रही है। पार्टी में शीर्ष नेतृत्व में एक बड़े नेता से पकड़ के चलते टिकट हासिल करने में हर बार सफल हो जाते हैं। यही कारण है कि संगमलाल यहॉ के नेताओं को कोई तबज्जो नहीं देते। उनका मानना है कि मोदी योगी के सहारे हम चुनाव जीत लेंगे। मगर उनका यह धमंड उन्हें भारी पड़ सकता है।

नीतू किन्नर ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गो को बश्वटे वस्त्र

प्रतापगढ़। नगर क्षेत्र के महुली स्थित वृद्धाश्रम में सोमवार को केतकी वेलफेयर सेवा संस्थान की तरफ से किन्नर नीतू ने बुजुर्गों को वस्त्र वितरित किए। संस्था की अध्यक्ष वन्दना उपाध्याय ने बुजुर्गों को दवाएं भी वितरित कराईं। किन्नर नीतू की नेक नीयती की वन्दना उपाध्याय ने सराहना की। संस्थान की अगुवा वन्दना ने आश्रम के बुजुर्गों से उनका दुख दर्द भी साझा किया। इस मौके पर आश्रम के प्रबंधक अम्बिका प्रसाद, नीतू गौतम समेत संस्था के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने जनसभा को किया संबोधित

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने सोमवार को देहात कोतवाली के मोहनगंज में गठबंधन के सपा प्रत्याशी डा0 एसपी सिंह पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पीडीए की मजबूती ही भाजपा को सत्ता से दूर कर रहा है। लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की सुरक्षा, बेरोजगारों को रोजगार, किसानों को एमएसपी, महिलाओं की सुरक्षा, पुरानी पेंशन बहाली, किसानों की कर्ज माफी, गरीबों को निःशुल्क इलाज जैसे मुद्दों को लेकर इंण्डिया गठबंधन का प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन मंदिर, मस्जिद, हिन्दू, मुसलमान में अटका हुआ है। उसे देश के आम आदमी की मूल भूत सुविधाओं से कुछ लेना देना नहीं है। पूर्व मंत्री राम आसर विश्वकर्मा ने कहा कि प्रदेश व केन्द्र की भाजपा सरकार जनता को विकास का झूठा सपना दिखाकर हर कदम पर असहनीय पीड़ा पहुंचाई है। जनसभा को आशुतोष पांडे, पट्टी विधायक राम सिंह पटेल, विधायक आर के पटेल, मुन्ना यादव, शांति सिंह, विछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनीष पाल, पूर्व एमएलसी कांति सिंह पटेल आदि ने भी जनसभा को संबोधित किया। सपा नेताओं ने गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व एमएलसी डा0 एसपी सिंह पटेल को भारी मतों से जिताने की अपील की। जनसभा में लोक गायिका प्रीती पाल ने अपनी बिरहा की प्रस्तुति से लोगों के बीच समा बांधे रखा। इस मौके पर मीडिया प्रभारी वकार अहमद, संजय पांडे, जावेद खान, भैयाराम पटेल, अनिल यादव, गुलफाम, समीम खान समेत पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व भारी तादात में लोग मौजूद रहे।

नवोदित प्रतिभाओं को निखारने के लिए संकल्पित है साहित्यांजलि प्रकाशन – विश्वबंधु
प्रयागराज की साहित्य साधना को और समृद्ध करेगा यह संस्थान – सर्वेश कांत

प्रयागराज ।'नवोदित रचनाकारों को सार्थक मंच देकर उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए संकल्पित साहित्यांजलि

प्रकाशन प्रयागराज द्वारा साहित्यकारों को सम्मानित करने की यह परम्परा सराहनीय है द्य हम आगे भी इसे निरन्तरता देने के लिए प्रतिबद्ध हैंद्य' उपरोक्त उद्गार भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु ने उस समय व्यक्त किया जब वह आनंद भवन के सामने एक होटल में आयोजित साहित्यकार सम्मान समझ में अध्यक्षीय वक्तव्य दे रहे थे द्य उन्होंने कहा कि हमारे प्रकाशन की ओर से सदैव रचनाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए इस तरह के आयोजन होते रहेंगे द्य समारोह के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध पाठ्यक्रम पुस्तक लेखक डॉक्टर सर्वेश कांत वर्मा सरल (जिनका आज जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया) ने कहा कि 'प्रयागराज सदैव से वरेण्य साहित्यकारों की साधना भूमि रही है और उसे अधिक समृद्ध बनाने के लिए यह संस्था समर्पित है इसके लिए प्रकाशन को कोटि–कोटि बधाई देता हूं द्य' आज आपने मेरे जन्मदिन को सार्थक बना दिया यह मेरे लिए स्वर्णिम क्षण है द्य मैं सदैव ईश्वर से प्रार्थना करूंगा कि लेखन के क्षेत्र में जो भी सम्मानित रचनाकार उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं उन्हें उसका प्रतिदान किसी न किसी रूप में अवश्य मिले द्य

विशिष्ट अतिथि चर्चित कहानीकार एवं प्रकाशक रंजन पांडेय ने कहा कि प्रयाग की रचनाधर्मिता सदैव से देशभर में मार्गदर्शक रही है और आगे भी रहेगी द्य सुप्रसिद्ध साहित्यकार जया मोहन ने अपने वक्तव्य में संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सारगर्भित समीक्षा करते हुए कहा कि जो भी रचनाएं इन दिनों संस्था प्रकाशित कर रही है उसमें विविध प्रकार के रस रंग और सुखद संदेश का समावेश रहता है द्य इस संस्था की पुस्तकें निश्चित ही एक मील का पत्थर स्थापित करेंगी द्य सुल्तानपुर से पधारीं डॉक्टर जया सिंह ने कहा कि इस धरती को मैं नमन करती हूँ और अपेक्षा करती हूँ कि यहां से जो भी प्रतिभाएं आप लोगों के प्रयास से निकलेंगी वह पूरे साहित्य जगत में अपने नाम को सार्थक करेंगी द्य प्रकाशन के व्यवस्थापक एवं आयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हम सदैव रचनात्मक दिशा में कार्यरत लोगों का मनोबल बढ़ायें और उन्हें सम्मानित करके हम एक नया आयाम स्थापित करें द्य इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में श्री श्याम फतनपुरी ने अपनी संदेश परक रचना प्रस्तुत किया द्य पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने अपने दोहों के माध्यम से समाज को जागरूक किया द्य शंभूनाथ श्रीवास्तव ने सस्वर काव्य पाठ करके गोष्टी को ऊंचाई प्रदान की तो आयोजन के संचालक डॉक्टर राम लखन चौरसिया वागीश ने भी दोहों के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों पर कड़ा प्रहार किया द्य अरविंद मालवीय ,प्रदीप कुमार सिंह ,ललित मोहन श्रीवास्तव , डॉक्टर अरुण कुमार मिश्रा ,पंकज गुप्ता आदि का संबोधन भी बहुत सराहनीय रहा द्य अंत में आभार प्रदर्शन डॉक्टर भगवान उपाध्याय ने किया और आगामी 16 जून को सिविल लाइन कार्यालय में पुनः गोष्ठी और सम्मान समारोह करने की घोषणा की द्य

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी नारी वंदन से गूँज उठी

विश्वनाथ (असम)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मई माह की मासिक काव्य गोष्ठी गूगल मीट के माध्यम से शनिवार, 18मई को संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वनकाम छत्तीसगढ़ की अध्यक्षा अनीता शरद झा जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में असम के वरिष्ठ साहित्यकार मनोहर वर्मा जी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षाता और संचालन वनकाम, असम के उपाध्यक्ष श्री संतोष कुमार महतो जी ने किया।

सर्वप्रथम वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी जी ने मुख्य तथा विशिष्ट अतिथि को ससम्मानपूर्वक मंच पर आसन ग्रहण करवाया। तत्पश्चात इकाई की सक्रिय सदस्या व कवयित्री मनीषा पाल ने मुख्य अतिथि का परिचय और कवयित्री आभा कुमारी चौधरी ने विशिष्ट अतिथि का परिचय मंच के सामने रखा। वनकाम असम इकाई के दूसरे उपाध्यक्ष श्री विनय कुमार बुद्ध ने बेहद ही मनमोहक आवाज में स्वरचित ष्माँ शारदेष सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से काव्य गोष्ठी का आगाज किया। इसके बाद काव्य गोष्ठी के संचालन का कार्यभार श्री संतोष कुमार महतो जी ने संभालते हुए कवि एस. एन सिंह जी से गुजारिश की कि वह अपनी कविता का वाचन कर मंच को अनुग्रहित करें। कवि एस.एन सिंह ने ष्भ्रमित मनष कविता की प्रस्तुति के बाद क्रमशः वरिष्ठ कवयित्री गीता लिंबू ने ष्दोस्तीष , शिलांग से महिला काव्य मंच शिलांग इकाई के अध्यक्षा दया शर्मा ने ष्नजरों का खेलष, हिंदी सेवी मनीषा पाल ने ष्आसमान के उस पारष, उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने गीत ष्छुपा रहे क्यों मुझसे पापाष, मुख्य अतिथि अनीता शरद झा ने ष्माँ यादों कीष, आचार्या डॉ. गोमा देवी शर्मा ने ष्नदी की आत्मकथाष, शिक्षक सुजीत कुमार शर्मा ने ष्जय जवान, जय किसानष, जाकिर हुसैन ने गीत ष्हिंदीष, कवि किशोर जैन ष्माँष, कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून ने ष्हर पल कुछ कहता हैष, हेमलता गोलछा ने मुक्तक ष्पर्दाष (पट), विशिष्ट अतिथि मनोहर वर्मा ने हास्य कविता और अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने ष्चाँदष नामक शीर्षक कविता वाचन कर मंच में चार चाँद लगा दिए। इस मौके पर श्रोता के रूप वरिष्ठ कवयित्री ममता गिनोडिया, अंजना जैन, कवि रोहित लामगादे तथा बाल कवि दिव्य ज्योति बरुआ भी उपस्थित थे। अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने सबको धन्यवाद देते हुए मंच के कवि – कवियत्रियों का उत्साहवर्धन किया तथा संतोष कुमार महतो की सफल अध्यक्षता और संचालन के लिए भी अतिथियों ने उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। उसके बाद काव्य गोष्ठी के संचालक संतोष कुमार महतो ने मंच पर उपस्थित अतिथि, कवि, श्रोता का आभार प्रकट करते हुए अपनी स्वरचित कविता ष्वसंत हुआ राममयष की प्रस्तुति दी। अंततरू पूर्वोत्तर वनकाम की अध्यक्षा डॉ गोमा अधिकारी ने सभी को विशेष बधाई दी तथा विशिष्ट और मुख्य अतिथि का आभार प्रकट किया तथा असम इकाई, वनकाम की अध्यक्षा आभा चौधरी ने सभी का एक मुष्ठ में आभार व्यक्त कर औपचारिक रूप से गोष्ठी के समापन की घोषणा की।

राजा ईवीएम से पैदा होता है रानी के पेट से नहीं, अनुप्रिया पटेल के बयान पर राजाभैया का पलटवार
कहा ईवीएम से राजा नहीं जनप्रतिनिधि पैदा होते हैं

प्रतापगढ़। मानिकपुर के मिलिट्री ग्राउण्ड में दो दिन पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने नाम लिए बिना राजाभैया पर जुबानी हमला बोला था। वह कौशांबी के भाजपा प्रत्याशी विनोद कुमार सोनकर के समर्थन में जनसभा को संबोधित करन दौरान राजाभैया पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि राजा ईवीएम से पैदा होता है रानी के पेट से नहीं। अनुप्रिया पटेल का यह बयान राजनैतिक हलकों व सोशलमीडिया में सुर्खियां बनी हैं। अनुप्रिया पटेल के इस बयान पर जब राजाभैया से पूंछा गया तो उन्होंने बड़े ही सालीनता से जवाब दिया कि ईवीएम से जनसेवक, जनता का प्रतिनिधि पैदा होता है। राजा रानी अब पैदा होना बंद हो गये है। ईवीएम से पैदा होने वाले अगर अपने को राजा मान लेंगे तो लोकतंत्र की मूल भावना ही खत्म हो जाएगी। राजतंत्र तो कब का खत्म हो गया। कुछ कुंठित लोग हैं जो इस प्रकार की बात करते हैं। दरअसल राजाभैया का कौशांबी लोकसभा में प्रतापगढ़ की बाबागंज व कुण्डा विधानसभा में खासा प्रभाव है। इस बार उन्होंने अपनी पार्टी जनसत्ता दल लोकतांत्रिक से प्रत्याशी नहीं खड़ा किया है। इसलिए उनका समर्थन पाने के लिए भाजपा व सपा के शीर्ष नेता एड़ी चोटी की ताकत लगाए। राजाभैया ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व समर्थकों संग मीटिंग कर किसी भी पार्टी को खुलकर समर्थन न करने का निर्णय लिया था। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को अन्तरात्मा की आवाज पर किसी भी दल के प्रत्याशी को वोट करने की खुली छूट दी थी। अब सभी पार्टियों को मालूम है कि उनके समर्थन के बिना कौशांबी सीट पर विजय पाना आसान नहीं है। इसके बाद राजाभैया के समर्थक दो खेमों में बंट गये कुछ भाजपा व कुछ सपा को समर्थन करने लगे। बड़े पदाधिकारी खुलकर सपा का समर्थन करने में जुट गये। इसी मुद्दे को लेकर केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राजाभैया पर उन्हीं के गढ़ में टिप्पणी की थी।

राजपरिवार की अनदेखी से क्षत्रिय समाज नाराज, बैठक कर भाजपा को वोट न करने का लिया निर्णय

प्रतापगढ़। भाजपा प्रत्याशी सांसद संगमलाल गुप्ता के कार्यों से क्षत्रिय समाज बेहद खफा है। रविवार को मानधाता थाना क्षेत्र के हैंसी कोट में क्षत्रिय समाज की बैठक हुई। जिसमें सांसद रहते भाजपा प्रत्याशी द्वारा क्षत्रियों के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने समेत दमनकारी नीतियों की चर्चा हुई। क्षत्रियों ने सामूहिक रूप से सपा प्रत्याशी डा0 एसपी सिंह पटेल को समर्थन देने का एलान किया। बैठक में शामिल रहे क्षत्रिय समाज के अगुवा तेज सिंह ने बताया कि सांसद रहते संगमलाल गुप्ता ने सोमबंशी राजा अनिल प्रताप सिंह पर फर्जी मुकदमें करवाना, क्षत्रियों को अपशब्द कहना, क्षेत्र में उपलब्ध न रहना आदि कारणों से भाजपा प्रत्याशी को समर्थन न करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हम लोग भाजपाके समर्थक हैं। मगर पार्टी ने गलत व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया है। बैठक में मुद्दा छाया रहा कि विश्वनाथगंज व सदर विधानसभा क्षेत्र सोमबंसी क्षत्रियों का गढ़ है। भाजपा का वरिष्ठ नेता होते हुए संगम के इशारे पर पीएम व सीएम की जनसभा में राजा अनिल प्रताप सिंह की अनदेखी की गई। इस बात पर क्षत्रिय समुदाय सांसद संगमलाल से बेहद नाराज दिखा। बैठक में अनिल राजा के अपमान का मुद्दा विस्तार से उठाया गया। क्षत्रियों ने एक सुर में निर्णय लिया कि यदि राजा एक इशरा करें तो उनके नाम पर मर मिटने को तैयार हैं। क्षत्रिय अगुवाकारों ने कहा कि सोमबंसी राजा की प्रतिष्ठा के साथ जो खिलवाड़ हुआ है उसके उत्तरदायी लोगों को सबक सिखाया जाए। बतादें कि सिटी स्थित सोमबंशी राजघराना एक समय था जब राजनीति की बुलंदियों पर था। राजा के किले से प्रदेश की राजनीति प्रभावित होती थी। जानकारों का मानना है कि यदि अनिल राजा के अपमान का क्षत्रियों की बीच मुद्दा बन गया तो भाजपा को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। हलांकि क्षत्रिय समाज हमेश से भाजपा का समर्थक रहा है। लेकिन मौजूदा प्रत्याशी की हरकतों से भाजपा की किरकिरी हो रही है।

संक्षिप्त

एलायंस क्लब ने दिलाई शत प्रतिशत मतदान की शपथ

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब ने सोमवार को नगर क्षेत्र के गांवों में बैठक कर शत प्रतिशत मतदान के लिए ग्रामीणों को शपथ दिलाई। उन्हें लोकतंत्र में वोट के महत्व को बताया गया। क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर रोशन की अगुवाई में सदस्यों ने बेनीपुर, कांपा टेकार, सरायदली आदि जगहों पर ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया। रोशनलाल ने ग्रामीणों से कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और विकास के लिए मतदान करना प्रत्येक नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मतदान में महिलाओं की भूमिका अहम है। 39 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ में 25 मई को छठें फेज में मतदान करना सबकी जिम्मेदारी है। मतदान के प्रति नारे भी लगाए गये। इस मौके पर डा0 दयाराम मौर्य, आनंद मोहन ओझा, सुनील कुमार सिंह, डा0 विनय कुमार श्रीवास्तव, प्रेम कुमार त्रिपाठी, राजीव कुमार आर्य, छेदीलाल, राकेश कन्नौजिया समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

नियम के विरुद्ध मोबाइल से कराई जा रही ट्रेनों की शटिंग
मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर खतरा मोल ले रहे कर्मचारी

प्रतापगढ़। मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर जिम्मेदार लोगों को खतरों से खेलने का बड़ा शौक है। परिचालन का नियम ताक पर रखकर यहां पर ट्रेनों की शटिंग झंडी और बत्ती से न कराकर मोबाइल से कराई जा रही है। इसको कराने वाले कर्मचारी भी खतरों के खिलाड़ी से कम नहीं हैं जो आए दिन जान और नौकरी दोनो जोखिम में डालकर शटिंग करते हैं। किसी दिन ऊपर नीचे हो जायेगा तो छोटे कर्मचारी पर सारा दोष मढ़कर अफसर अपना सेफ निकल जायेंगे। रेलवे में परिचालन के नियम कहता है कि वाकी टाकी और मोबाईल इत्यादि से गाड़ियों की शटिंग नहीं कराई जा सकती है। इसके लिए अलग से नियम और तरीका बनाया गया है। नाम न छापने की शर्त पर कुछ कर्मचारियों ने बताया है कि मोबाइल से शटिंग कराई जाती है। जब वे मना करते हैं तो कार्रवाई की धमकी दी जाती है। लोको इंस्पेक्टर अनिल शुक्ला का कहना है कि मोबाइल और वाकी टाकी से ट्रेनों की शटिंग नियम विरुद्ध है। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है। अगर कोई कर्मचारी मिलता है तो उसकी रिपोर्ट डीआरएम से की जायेगी।

ट्रेन परिचालन के नियम–

शटिंग के दौरान एक सक्षम रेल कर्मचारी अपने हैंड सिग्नल के संकेत के द्वारा लोको पायलट से शटिंग कार्य करवाएगा। वह रेल कर्मचारी दिन में लोको पायलट को लाल और हरी झंडी द्वारा और रात में लाल और हरी बत्ती से संकेत दिखायेगा। यदि शटिंग के दौरान हैंड सिग्नल का लाल संकेत खराब हो जाए तो रुकवाने के लिए सफेद बत्ती का संकेत दिखाया जायेगा। शटिंग करवाने वाला कर्मचारी लटककर या फिर काऊ कैचर पर बैठकर शटिंग नहीं कराएगा।

वोटरलिस्ट में नाम न होने से वापस लौटे मतदाता

प्रतापगढ़। संसदीय सीट कौशाम्बी में शामिल कुंडा और बाबागंज के मतदान केंद्रों पर सोमवार को वोट देने पहुंचे तमाम लोग निराश होकर घर लौट गए। लौटने वालों का नाम मतदाता सूची में नहीं था। यही नहीं तमाम वोटरों के घर मतदाता पर्ची भी नहीं पहुंची थी, जिससे वोटरों को खासी मशक्कत करनी पड़ी। वही बाबागंज विधानसभा के गोगहर बूथ पर अनीता, रंजीत श्रीवास्तव, बूथ पर नीरज मौर्य, छंगू गौतम, मोतीलाल मौर्य, पूरे मसवन पर सुरेश कुमार, श्यामलाल, रायकाशीपुर बूथ पर राम दुलारे यादव, ऐमापुर बिन्धन बूथ पर राजेन्द्र प्रसाद सिंह का नाम मतदाता सूची में नहीं था। इसी तरह कुंडा विधानसभा के शीतल का पुरवा बेंती गांव के रामचन्द्र यादव के परिवार में किसी को वोटर पर्ची नहीं मिली। भरचक गांव निवासी अशोक कुमार धुरिया के पूरे परिवार का नाम मतदाता सूची में नहीं था। यही शिकायतें अन्य परिवारों के लोगों से देखने सुनने को मिली।

बिना परमिशन हो रहा अवैध खनन, शिकायत के बावजूद जिम्मेदार मौन

प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के माघी, अन्नावा, फूलपुर मौरी, औतारपुर, बूढ़ेपुर, कर्माजीत पट्टी में मानक के विपरीत मिट्टी खनन हो रहा है। जोरों पर चल रहा है। इलाके में कई ऐसे तालाबों की खुदाई हुई जिसका परमीशन ही नही लिया गया है। सुबह, शाम गांव और चौराहे से जुड़े प्रमुख मार्गों पर दिन रात डंपर ट्रॉली आदि वाहनों से धूल मिट्टी से लोगों का दम घुट रहा है। यह सिलसिला पूरी रात और दिन चल रहा है। ग्रामीणों की शिकायत के बावजूद अवैध मिट्टी खानन मानक की विपरीत रामवनगमन मार्ग के ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा। जिसके चलते कई घटनाएं घटित हो चुकी है। बाघराय थाना क्षेत्र में पुलिस प्रशासन और तहसील प्रशासन के नाक के नीचे दिन रात अवैध खनन के वाहन सड़कों पर फराटे भर रहे हैं। उप जिलाधिकारी कुंडा से भी शिकायत हुई है। बिना नम्बर प्लेट चल रहे डम्फर और बिना परमिशन के खुद गए तालाबों पर मानक से अधिक खुदाई करने के मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ठेकेदारों की मनमानी से इलाके के लोगों को परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है।

अनुप्रिया पटेल के हेलीकॉप्टर में आई खराबी, सड़क मार्ग से पहुंची जनसभा स्थल

प्रतापगढ़। भाजपा प्रत्याशी संगमलाल गुप्ता के समर्थन में जनसभा करने क्षेत्र के दुर्गा देई परसनी गांव आईं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के हेलीकॉप्टर में खराबी आ गई। जनसभा खत्म होने के बाद हेलीकॉप्टर स्टार्ट नहीं हुआ। ऐसे में वह कार से लालगंज के पहाड़ापुर गईं। हालांकि उनके जाने के करीब एक घंटे बाद पायलट ने तकनीकी खराबी दूर कर हेलीकॉप्टर स्टार्ट कर लिया। करीब डेढ़ बजे हेलीकॉप्टर उड़ान भर सका। सोमवार को केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल को भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में दो जनसभाएं सम्बोधित करनी थीं। पहली जनसभा पट्टी इलाके के दुर्गा देई, परसनी गांव में और दूसरी लालगंज के पहाड़पुर गांव में थी। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल दुर्गादेई परसनी गांव की जनसभा में 11रू40 बजे पहुंच गई थीं। करीब 25 मिनट संबोधान के बाद उन्हें पहाड़पुर निकलना था। इसके लिए वह जनसभा स्थल से हेलीपैड तक पहुंच गई थीं लेकिन ऐन वक्त पर हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। सिग्नल मिलने के बाद पायलट ने पहाड़पुर के लिए उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर उड़ने के बाद स्थानीय प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी की जानकारी होने के बाद तमाम स्थानीय लोग हेलीपैड के आसपास जमा हो गए थे। जिससे पुलिस भी परेशान थी।

संक्षिप्त

ताइवान के नए राष्ट्रपति ने चीन से सैन्य धमकियां न देने का अनुरोध किया

ताइपे। ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग–ते ने पद संभालने के बाद अपने पहले भाषण में चीन से इस स्वरूशासित द्वीप के खिलाफ सैन्य धमकी न देने का अनुरोध किया। चीन, ताइवान पर अपना दावा जताता है। लाई ने इस साल की शुरुआत में चुनाव जीतने के बाद सोमवार को एक समारोह में

पद की शपथ ली। वह अपेक्षाकृत उदारवादी नेता हैं जिनसे चीन के खिलाफ अपनी सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश करते हुए ताइवान की वास्तविक स्वतंत्रता नीति को जारी रखने की उम्मीद है। उन्होंने साई इंग–वेन का स्थान लिया है जिन्होंने कोविड–19 महामारी और चीन की बढ़ती सैन्य धमकियों के बावजूद आठ साल तक देश के आर्थिक और सामाजिक विकास का नेतृत्व किया।

मध्य गाजा में इजराइल के हवाई हमले में 27 लोगों की मौत

मध्य गाजा में एक इजराइली हवाई हमले में 27 लोग मारे गए और हमास के साथ आठ महीने से चल रही लड़ाई ने रविवार को और जोर पकड़ लिया। हालांकि, युद्ध के बाद गाजा में कौन शासन करेगा, इस सवाल पर इजराइली नेता बंटे हुए हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपनी 'वार कैबिनेट' के दो अन्य सदस्यों से आलोचना का सामना करना पड़ रहा। उनके मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गांत्ज ने कहा है कि युद्ध के बाद गाजा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशासन को शामिल करते हुए आठ जून तक एक योजना नहीं बनाई जाती है तो

वह सरकार से बाहर हो जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के नेतन्याहू और अन्य इजराइली नेताओं से रविवार को मिलने की उम्मीद है ताकि इजराइल को मान्यता देने के लिए सऊदी अरब के साथ एक महत्वाकांक्षी अमेरिकी योजना पर चर्चा की जा सके। इस मुलाकात का उद्देश्य फलस्तीनी प्राधिकरण को गाजा पर शासन में मदद करना भी है। देर अल–बला के अल–अक्सा मार्टिर हॉस्पिटल के अनुसार, मध्य गाजा के फलस्तीनी शरणार्थी शिविर नुसिरत में हुए हवाई हमले में 27 लोग मारे गए, जिनमें 10 महिलाएं और सात बच्चे शामिल हैं। वहीं, फलस्तीनी रेड क्रिसेंट आपात सेवा के अनुसार नुसिरत की एक सड़क पर एक अलग हमले में पांच लोग मारे गए। अस्पताल के अनुसार, हमास संचालित पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी भी देर अल–बला में मारे गए।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने सुरक्षा समझौते को लेकर की चर्चा

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान ने रविवार तड़के सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर चर्चा की। सऊदी अरब ने इस चर्चा को दोनों देशों के बीच व्यापक सुरक्षा

समझौते के 'सेमी–फाइनल' संस्करण के रूप में वर्णित किया है। सऊदी अरब ने सरकारी 'सऊदी प्रेस एजेंसी' ने इसकी घोषणा की। इसके पहले हमास की ओर से पिछले वर्ष सात अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमले के कारण रणनीतिक समझौता नहीं हो सका था। हमास के हमले में 1200 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजराइल की ओर से किए गए जवाबी हमले में अब तक 35 हजार से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। इससे सुरक्षा समझौते पर खतरा मंडरा रहा था, जिसमें सऊदी अरब की ओर से 1948 में स्थापना के बाद से पहली बार इजराइल को कूटनीतिक रूप से मान्यता दिया जाना शामिल था। सऊदी अरब की सरकारी मीडिया ने हालांकि धहरान में जेक सुलीवान और मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई इस मुलाकात की कोई तस्वीर जारी नहीं की है। सऊदी अरब की मीडिया ने इस मुलाकात के बाद एक बयान जारी कर कहा,'' सऊदी अरब और अमेरिका के बीच रणनीतिक समझौतों के मसौदे के सेमी–फाइनल संस्करण, जिसे लगभग अंतिम रूप दिया जा रहा है, पर चर्चा की गई। इस बात पर भी चर्चा हुई कि एक विश्वसनीय तरीका खोजने के लिए फलस्तीनी मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच क्या काम किया जा रहा है।

30 हजार का कत्ल-ए-आम, अमेरिका लगा चुका है प्रतिबंध, कौन थे ईरान के कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी

1994 में तेहरान के अभियोजक जनरल से लेकर देश के मुख्य न्यायाधीश तक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी कट्टरपंथी मौलवी इब्राहिम रायसी ने 2021 में राष्ट्रपति बनने से पहले कई उपलब्धियां हासिल की हैं। हालाँकि, रायसी का कार्यकाल 2022 में 22 वर्षीय महिला महसा अमिनी की हिरासत में मौत के साथ–साथ गाजा में युद्ध पर सरकार विरोधी विरोध प्रदर्शनों को लेकर चुनौतियों से भरा रहा है। रायसी के कार्यकाल के दौरान ही अप्रैल में तेहरान द्वारा अभूतपूर्व मिसाइल और ड्रोन हमला शुरू करने के बाद ईरान ने पहली बार इज़राइल के साथ सीधे संघर्ष में प्रवेश किया। यह प्रतिक्रिया तब आई जब इज़राइल ने कथित तौर पर दमिश्क में ईरानी दूतावास परिसर पर हवाई हमला किया, जिसमें दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई।

इब्राहिम रईसी का संक्षिप्त परिचय

इब्राहिम रईसी ने न्यायपालिका में विभिन्न पदों पर काम किया है और सुप्रीम लीडर का चुनाव करने वाली काउंसिल ऑफ़ एक्सपर्ट के सदस्य और फिर चेयरमैन भी रह चुके हैं। 2017 में हसन रूहानी के ख़िलाफ़ राष्ट्रपति पद के चुनाव में उन्हें केवल 38.5 फ़ीसद वोट मिले थे। लेकिन चुनाव हारने के बावजूद रईसी को मार्च 2019 में आयतुल्लाह अली ख़ामनेई ने न्यायपालिका का प्रमुख बना दिया था।

30 हजार का कत्ल–ए–आम

1980 में राईसी करज की क्रांतिकारी अदालत के अभियोजक बने। 20 साल की उम्र में राईसी की तैनाती तेहरान के पश्चिम में कर दी गई थी। 1988 में उन्हें प्रमोट करके डिप्टी प्रौसेक्यूटर बनाया गया। पीपुल्स मुजाहिद्दीन से जुड़े कैदियों को मारने की समिति के सदस्य बनाए गए। राईसी उस समिति के सदस्य थे जिसके आदेश पर जेल में बंद करीब तीस हजार कैदियों को गोली मार दी गई थी। महिलाओं और बच्चों को भी तब नहीं छोड़ा गया था। पूरी दुनिया में ईरान के इस कदम की आलोचना हुई थी। तभी से रईसी ईरान के कट्टर मौलवियों की लिस्ट में शामिल हो गए थे।

अमेरिका लगा चुका है प्रतिबंध

रईसी पहले ईरानी राष्ट्रपति है जिन पर पदभार संभालने से पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है। उनपर यह प्रतिबंध 1988 में राजनीतिक कैदियों की सामूहिक हत्या के लिये तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलने वाली ईरानी न्यायपालिका के मुखिया के तौर पर लगाया गया था। वर्ष 2017 में हुए चुनाव में रायसी ने भी चुनाव लड़ा था लेकिन उदारवादी रुहानी ने

उन्हें भारी मतों से हरा दिया था। रायसी को 38 फीसदी वोट मिले थे, वहीं रुहानी को 57 प्रतिशत वोट मिले थे।

राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल

ईरान के राष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल विवादास्पद और उतार–चढ़ाव वाला रहा है। 2022 में 22 वर्षीय महिला महसा अमिनी की हिरासत में मौत के बाद ईरान में राष्ट्रव्यापी विरोध की लहर दौड़ गई, जिसे कथित तौर पर देश के सख्त इस्लामी ड्रेस कोड का पालन नहीं करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद के महीनों में ईरान के मौलवी शासकों को 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक से निपटते देखा गया। अधिकार समूहों ने दावा किया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में सैकड़ों प्रदर्शनकारी मारे गए। रायसी के तहत, ईरान ने भी यूरेनियम संवर्धन में वृद्धि की, जिसे डोनाल्ड ट्रम्प के 2015 के परमाणु समझौते से मुकरने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

इरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर क्रैश में हुई मौत, विदेश मंत्री भी नहीं बचे

ईरान से एक दुखद खबर सामने आ रही है। ईरान में एक हेलीकॉप्टर हादसा हो गया है जिसमें ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हुई है। समाचार एजेंसी रायटर्स ईरानी अधिकारी के हवाले से इसकी जानकारी साझा की है। दरअसल दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर के पास पहुंची रेस्क्यू टीम ने दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर के मलबे का पता लगाया है। कई घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच सकी है जिसके बाद बेहद कम उम्मीद है कि इस हादसे में कोई जीवित बचा होगा। इस हेलीकॉप्टर में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके विदेश मंत्री यात्रा कर रहे थे। इसी बीच बर्फीले मौसम के कारण पहाड़ी इलाके में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ईरान की मीडिया की माने तो बचाव दल ने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को पहचान है। रेस्क्यू टीम को अब तक किसी जीवित व्यक्ति का सुराग नहीं मिला है।

रेस्क्यू टीम को पहुंचने में लगे 17 घंटे

जानकारी के मुताबिक यह हादसा अजरबैजान के पहाड़ी इलाके में हुआ था। ऐसे में पहाड़ी इलाका होने के कारण और रात भर चली बर्फीले तूफान के बीच रेस्क्यू टीम को काफी संघर्ष करना पड़ा। रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर 17 घंटे के बाद पहुंची है जिसका मुख्य कारण खराब मौसम रहा।बता दें कि यह दुर्घटना ऐसे समय में हुई है जब रईसी और सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के नेतृत्व में ईरान ने बीते महीने ही इसराइल पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए थे। इसके अलावा ईरान का यूरेनियम संवर्धन भी हथियार बनाने के लिए आवश्यक स्तर के करीब पहुंच गया है। ईरान को खराब अर्थव्यवस्था और महिला अधिकारियों को लेकर उसके शिया धर्मतंत्र के खिलाफ पिछले कुछ वर्षों में व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन का सामना भी करना पड़ा है

जिससे मद्देनजर इस हादसे के परिणाम तेहरान और देश के भविष्य के लिए कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। रईसी ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में यात्रा कर रहे थे। सरकारी टीवी ने कहा कि ''हार्ड लैंडिंग'' की यह घटना ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 600 किलोमीटर (375 मील) दूर उत्तर–पश्चिम में अजरबैजान देश की सीमा से सटे जुल्फा शहर के निकट हुई। बाद में हालांकि टीवी ने बताया कि यह घटना उजी के निकट हुई है लेकिन इससे जुड़ी जानकारियां अभी तक विरोधाभासी हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'आईआरएनए' की खबर के अनुसार, रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन, ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर और अन्य अधिकारी तथा अंगरक्षक भी यात्रा कर रहे थे।

Pakistan का सच कैसे एक रिपोर्ट के बाद आया सामने, खाने को रोटी नहीं और न पहनने को कपड़ा, फिर भी...

एक जांच रिपोर्ट से पता चला है कि कैसे नकदी की तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के अमीर और मशहूर लोगों के पास दुबई में अरबों की संपत्ति है। पाकिस्तान कर्ज में डूब रहा है। लेकिन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के तीन बच्चे और पूर्व पाकिस्तानी सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के बेटे जैसे अमीर पाकिस्तान की आम आवाम निश्चित रूप से नहीं हैं। दुबई अनलॉक नामक एक नई रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान के अति अमीरों के पास दुबई में 17,000 से 22,000 के बीच संपत्ति है, जिसकी कीमत 12.5 अरब डॉलर है।

कितने पाकिस्तानी नागरिकों ने दुबई में अपनी संपत्ति छिपा रखी है? जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां लीक में 17,000 पाकिस्तानी नागरिकों को मालिकों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, वहीं दुबई

में आवासीय संपत्ति के पाकिस्तानी मालिकों की वास्तविक संख्या 22,000 है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 की शुरुआत में अपार्टमेंट और विला की कीमत 10 बिलियन डॉलर से अधिक हो सकती है, लेकिन जैसे–जैसे रियल एस्टेट की कीमतें बढ़ती हैं, वास्तविक कीमत अब 12.5 बिलियन डॉलर से अधिक आंकी जा सकती है।

'दुबई अनलॉक्ड' ने दुबई में सैकड़ों हजारों संपत्तियों और उनके स्वामित्व या उपयोग के बारे में जानकारी का एक आश्चर्यजनक दृश्य चित्रित किया है। सेंटर फॉर एडवांस्ड डिफेंस स्टडीज (C4ADS) एक गैर–लाभकारी संगठन द्वारा प्राप्त किया गया है। वाशिंगटन, डीसी, फिर इसे नॉर्वेजियन वित्तीय आउटलेट E24 और संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ¼OCCRP) के साथ साझा किया गया, जिसने दुनिया भर के मीडिया आउटलेट्स के साथ एक खोजी परियोजना का समन्वय किया। जांच से पता चला है कि दुबई कई रिची रिच की पहली पसंद बन गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

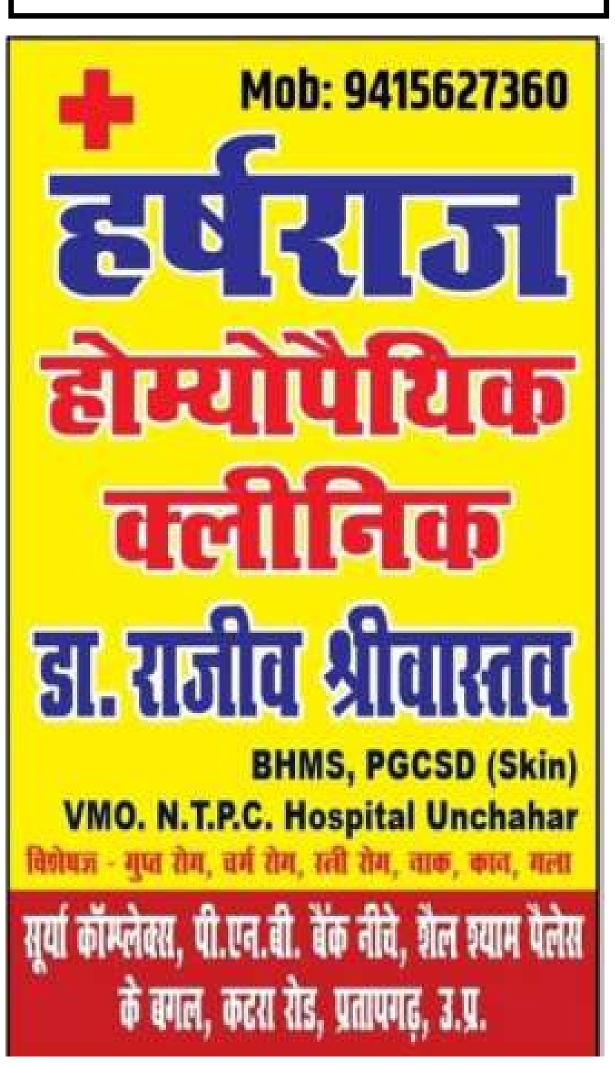

नेपाल के पीएम प्रचंड ने 18 महीने में चौथी बार जीता विश्वास मत, 157 सदस्यों का मिला समर्थन

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश ने संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) के नेता प्रचंड ने 18 महीने के भीतर चौथी बार विश्वास मत जीता है। सोमवार को विश्वास प्रस्ताव पर नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में प्रंचड को 157 सदस्यों का समर्थन हासिल हुआ। सीपीएन (माओवादी केंद्र) प्रतिनिधि सभा में तीसरा सबसे बड़ा दल है। उसको नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी का भी समर्थन मिला।मतदान में कुल 158 सांसदों ने हिस्सा लिया। मुख्य विपक्षी नेपाली कांग्रेस ने मतदान प्रक्रिया का बहिष्कार किया। जबकि एचओआर के एक सदस्य ने किसी का साथ नहीं दिया। यह मतदान गठबंधन सहयोगियों में से एक जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) द्वारा पिछले सप्ताह गठबंधन सरकार से अलग होने के बाद हुआ है। दिसंबर 2022 में पुष्प कमल दहल ने प्रधानमंत्री पद ग्रहण किया था। इसके बाद से ये चौथा मौका है, जब उन्होंने सदन में विश्वास मत हासिल किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।